RNI NO. UPHIN/2012/46248

सुविचार

'समय दिखाई नहीं देता लेकिन बहुत कुछ दिखा जाता है..!'

अभी वार्ता

गाजियाबाद से प्रकाशित

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 25 ● सोमवार 19 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

एक महीने में विपक्ष के कई बड़े नेता भाजपा में होंगे शामिल, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का दावा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा में आने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उनके साथ-साथ एक अन्य बड़े कांग्रेस नेता मनीष तिवारी के भी भाजपाई खेमे में आने की चर्चा जोरों से चल रही है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया है कि अगले एक महीने के अंदर विपक्ष के कई बड़े नेता भाजपा ज्वाइन करेंगे। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद-विधायक और बड़े नेता शामिल होंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के भी अनेक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को देश को आगे बढ़ाने के लिए सही मानते हैं। वे अपनी पार्टीगत बाध्यताओं के चलते खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते, लेकिन उनकी आस्था प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों में है। यही कारण है कि वे अपनी-अपनी पार्टियों को छोड़कर भाजपा में आ सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की यह बात इस अर्थ में बेहद महत्वपूर्ण है कि पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकताओं को पार्टी के लिए इस लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जिताने का लक्ष्य दे रखा है। भाजपा पहले ही अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ऐसे में माना जा रहा है कि 370 सीटें जीतने का लक्ष्य तभी हासिल हो सकता है, जब विपक्षी दलों के कई बड़े नेता भाजपा में आ जाएं और वे अपने प्रभाव वाली सीटों पर भाजपा को जिताने का काम करें।

दक्षिण भारत के कुछ दलों को साथ लाने की कोशिश

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत के कई राज्यों के बड़े नेताओं से भी चल रही है। इसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य भी शामिल हैं। भाजपा नेताओं का मानना है कि उत्तर भारत के बल पर पार्टी पहले ही 303 के आंकड़े को छू चुकी है, सहयोगी दलों के साथ यह आंकड़ा 330 से ऊपर पहुंच चुका है। ऐसे में यदि उसे दक्षिण भारत के कुछ दलों का साथ मिल जाए तो वह 400 के आंकड़े को भी पार कर सकती है। यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चार सौ सीटें जीतने का दावा हवा हवाई नहीं, बल्कि भाजपा की ठोस रणनीति को दिखाता है। इसका असर जल्द दिखाई पड़ सकता है।

भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर बोले कमलनाथ- मेरी तो कहीं बात नहीं हुई

भोपाल/नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजनीति में भारी उठापटक जारी है। इसकी वजह हैं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे सांसद नकुलनाथ।

मध्य प्रदेश से लेकर दिल्ली तक राजनीतिक गलियारों में करीब एक हफ्ते से कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और इंदिरा गांधी तीसरे बेटे कहे जाने वाले कमलनाथ और उनके बेटे भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं।

वहीं, इस मामले पर भाजपा, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं तक के काफी बयान आ चुके हैं।

लेकिन इसी बीच रविवार को दिल्ली में कमलनाथ ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि मेरी तो कहीं बात नहीं हुई।

'हम राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति को मानने वाले लोग हैं', भाजपा अधिवेशन में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। भाजपा की दिल्ली में चल रही राष्ट्रीय अधिवेशन की बैठक का आज दूसरा दिन है। अधिवेशन में पीएम मोदी ने कहा, 'अगले 100 दिन में हमें जुट जाना है। सभी वोटरों तक पहुंचना है। हर वर्ग, हर परंपरा तक पहुंचना है।'

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना हमारी गवर्नेंस भी दिखती है'

प्रधानमंत्री ने कहा 'देश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने में 60 वर्ष लगे और हमारे 10 साल के कार्यकाल में हम तीन ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बन गए हैं। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर बजट 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।'

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना हमारी गवर्नेंस भी दिखती है। पहले की सरकारों में नार्थ-ईस्ट को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया था, लेकिन हम वोट और सीटों के लिए काम नहीं करते।

कमलनाथ पर भाजपा में मतभेद, 1984 के दंगों के आरोपों को लेकर सिख नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर पार्टी में घमासान छिड़ गया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि 1984 के सिख दंगों के आरोपी कमलनाथ को पार्टी में लेने से सिख समाज के बीच गलत संदेश जाएगा। इसका दिल्ली और पंजाब सहित अनेक राज्यों में नुकसान हो सकता है। पार्टी के सिख नेताओं का दावा है कि उन्होंने पार्टी के उचित फोरम पर अपनी बात उठा दी है और कमलनाथ को पार्टी में लेने पर अपनी असहमति दर्ज कराई है।

पार्टी में यह घमासान ऐसे समय में छिड़ा है जब कांग्रेस नेता कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनावों में 370 सीटें लाने के लिए कमर कस लेने की बात कह रहे हैं।

पार्टी के सिख नेताओं का कहना है कि अब तक वे अपने समुदाय के लोगों से यही कहकर वोट मांगते आए हैं कि भाजपा उन्हें न्याय दिलवाएगी। कमलनाथ जगदीश टाइटलर और सज्जन कुमार के साथ उन कांग्रेस नेताओं में शामिल रहे हैं जो 1984 के सिख दंगों के दौरान दंगाइयों का नेतृत्व कर रहे थे। इन दंगों में 3500 से ज्यादा सिखों की हत्या की गई थी। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को इन्हीं दंगों में शामिल होने के मामले में सजा हो चुकी है तो जगदीश टाइटलर अदालती कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

कमलनाथ अब तक साक्ष्यों-गवाहों के अभाव में बचे हुए हैं, लेकिन भाजपा नेता सिख दंगों की जांच को दोबारा खुलवाने और न्याय दिलाने की मांग करते रहे हैं।

ऐसे में भाजपा नेताओं का कहना है कि कमलनाथ को पार्टी में लेने से नकारात्मक संदेश जाएगा जिससे बचा जाना चाहिए।

नहीं कम हो रहीं सपा की मुश्किलें, महासचिव सलीम शेरवानी ने दिया इस्तीफा, उपेक्षा का लगाया आरोप

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद से सपा की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। रविवार को पार्टी के एक और राष्ट्रीय महासचिव सलीम शेरवानी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि वह राज्यसभा टिकट न मिलने से नाराज थे।

अपने इस्तीफे को लेकर अखिलेश यादव को लिखे गए पत्र में उन्होंने मुसलमानों की उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि सपा मुसलमानों का भरोसा खो रही है।

सलीम ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को चिट्ठी लिखी है जिसमें उन्होंने कहा है कि पार्टी में मुसलमानों की उपेक्षा से परेशान होकर महासचिव पद से इस्तीफा दे रहा हूं. जल्द ही भविष्य को लेकर फैसला लूंगा।

उन्होंने कहा कि मुसलमान लगातार उपेक्षित महसूस कर रहा है राज्यसभा के चुनाव में भी किसी मुसलमान को नहीं भेजा गया।

मौत की झूठी खबर वाली पोस्ट हटा पूनम ने दिया नया अपडेट, सोशल मीडिया पर फूट पड़ा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस पूनम पांडे हाल ही में काफी ज्यादा सुर्खियों में थीं। दरअसल, अभिनेत्री ने सर्वाइकल कैंसर को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए अपनी मौत की झूठी खबर सोशल मीडिया पर फैला दी थी।

अभिनेत्री के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से इस पोस्ट को देखने के बाद फैंस भी हैरान रह गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद अभिनेत्री ने लोगों के सामने आकर बताया कि इस गंभीर बीमारी के बारे में लोगों को बताने के लिए उन्होंने ऐसा किया था। इसके बाद से ही लोगों का गुस्सा उन पर फूट पड़ा और लोगों ने उनकी जमकर आलोचना शुरू कर दी।

अब पूनम पांडे एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। अभिनेत्री ने अपनी मौत से जुड़ी झूठी पोस्ट सोशल मीडिया से हटा दी है। साथ ही, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया अपडेट डाला है। पूनम ने अपनी पिछली पोस्ट को हटाकर एक नए अपडेट में कहा है कि सच्चाई जल्द ही सामने आएगी।

क्या भाजपा में शामिल हो रहे मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद के कार्यालय ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। उनके भाजपा में जाने की तमाम अटकलें जारी हैं। इस बीच, सूत्रों ने कहा कि पार्टी के सांसद मनीष तिवारी भी भगवा पार्टी के संपर्क में हैं और पंजाब की लुधियाना सीट से भाजपा के चुनाव चिह्न पर लोकसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस सांसद के कार्यालय ने इन अटकलों को बेबुनियाद और निराधार बताते हुए खारिज किया है।

मनीष तिवारी के कार्यालय ने क्या कहा

उनके कार्यालय ने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें निराधार और बेबुनियाद हैं। मनीष तिवारी अपने चुनावी क्षेत्र में हैं और वहां विकास कार्य देख रहे हैं। कल रात वह एक कांग्रेस कार्यकर्ता के घर रुके थे। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि तिवारी भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सांसद लुधियाना संसदीय क्षेत्र से भाजपा के चुनाव चिह्न पर लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं।

कमलनाथ को लेकर जीतू पटवारी ने क्या कहा

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ऐसी अटकलें हैं कि कमलनाथ अपने बेटे और अन्य सांसदों के साथ लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी ने इन अफवाहों को निराधार बताते हुए खारिज किया और कहा कि वह सपने में भी कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की कल्पना नहीं कर सकते।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में कमलनाथ: सूत्र

कांग्रेस के करीबी सूत्रों ने एक समाचार चैनल को बताया कि कमलनाथ के भाजपा में जाने की संभावना है। कांग्रेस नेतृत्व ने उनसे संपर्क करने का कोई प्रयास नहीं किया। कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में हैं।

कमलनाथ ने अटकलों पर क्या कहा

कमलनाथ के शनिवार को दिल्ली पहुंचने के बाद अटकलों का नया दौर शुरू हो गया। राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर ऐसी कोई बात होगी तो वह पहले मीडिया को बताएंगे। जब पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या वह पाला बदलने से इनकार कर रहे हैं, इस पर कमलनाथ ने कहा, इसमें इनकार की बात नहीं है। आप लोग उत्साहित हो रहे हैं।

इस महीने आज रहा सबसे गर्म दिन, राजधानी की हवा हुई जहरीली; दिल्ली में कल बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली। खिली धूप के कारण रविवार को राजधानी में अधिकतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। इस माह का ये सबसे गर्म दिन रहा। हालांकि, सोमवार को बारिश के आसार हैं जिससे अधिकतम तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखाई देगा। इस दौरान तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। पीतमपुरा इलाका सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान सबसे कम 29.8 डिग्री दर्ज किया गया।

सोमवार को दिन के समय 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चल सकती है।

इस दौरान अधिकतम तापमान 27 व न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। बारिश और तेज हवा के कारण मंगलवार को तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट का अनुमान है।

प्रदूषण बढ़ा, एक्यूआई 245 रहा

राजधानी में हवा की गति कम होने व दिशा बदलने से प्रदूषण खराब श्रेणी में बरकरार है। रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 245 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में है। इसमें शनिवार के मुकाबले 24 सूचकांक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सुबह आसमान साफ रहा। हालांकि, दोपहर बाद मौसम में बदलाव आने लगा। सर्वाधिक इलाकों में एक्यूआई 200 के पार रहा।

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, रविवार को औसत आठ किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से हवा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर से चली। सोमवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर से चलेगी। इस दौरान हवा की गति 12 से 14 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है।

मंगलवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चल सकती है। गति छह किमी रहने के आसार है। सीपीसीबी के अनुसार, एनसीआर में गुरुग्राम का सबसे कम 221 एक्यूआई रहा, जो खराब श्रेणी है। फरीदाबाद में 298, ग्रेटर नोएडा में 267, नोएडा में 262 व गाजियाबाद में 259 एक्यूआई दर्ज किया गया।

सार सुर्खियां

भारतीय खाद्य निगम तेलंगाना में नियुक्ति के बहाने 65 लाख ठगे

इंदिरापुरम। अहिंसाखंड एक में एटीएस एडवांटेज सोसायटी के रामानुज मुव्वाला से भारतीय खाद्य निगम तेलंगाना की सलाहकार समिति में नियुक्ति दिलाने का झांसा देकर दो लोगों ने 65 लाख रुपये ठग लिए। उनका आरोप है कि शातिरों ने भारतीय खाद्य निगम में तैनात आईएएस अधिकारी के नाम का फर्जी पत्र देकर उन्हें तेलंगाना भेज दिया। इंदिरापुरम पुलिस ने दो लोगों पर धोखाधड़ी समेत अन्य धारा में नामजद मुकदमा किया है।

उन्होंने पुलिस को शिकायत दी कि कृष्ण कुमार नाम के दोस्त ने उन्हें 15 दिसंबर 2020 को कॉल की, जिसमें उन्हें हैदराबाद स्थित भारतीय खाद्य निगम के तेलंगाना क्षेत्र में सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति दिलाने की बात कही। बाद में उनकी सुरेंद्र बाबू नाम के व्यक्ति से आंध्रप्रदेश के चितूर और नीरज सूद से दिल्ली लक्ष्मी नगर में मुलाकात कराई। आरोप है कि नीरज ने उनसे नौकरी लगवाने के बहाने एडवांस में 16 लाख रुपये मांगे। यह रकम दोस्त कृष्ण ने उनके खाते से ट्रांसफर कर दी। उसके बाद दो बार में चार लाख रुपये लिए। 22 दिसंबर को शातिरों ने उन्हें भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार का फर्जी नियुक्ति पत्र दिया जो प्रिंसिपल सेक्रेटरी अमित कुमार के नाम से था।

इसके साथ दूसरा पेपर डिप्टी सेक्रेटरी को संलग्न था। इन पेपरों को लेकर जब वह तेलंगाना गए तो वहां खाद्य निगम के ऑफिस में आईपीएस अधिकारी ब्रिजेश कुमार ने फर्जी बताकर नौकरी देने से मना कर दिया। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने दूसरी फाइल दिखाकर उन्हें धमकी दी कि यदि 45 लाख रुपये नहीं दोगे तो नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद उनसे दो बार में यह रकम वसूलकर धोखाधड़ी की। अब फजीर्वाड़ा सामने आने पर उनके विरोध करने पर धमकी दे रहा है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि नामजद आरोपियों को जल्द तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

यूपी गेट पर तैनात पीएसी संग भारी पुलिस बल, वाहनों की धीमी गति से लगा जाम

कौशांबी। यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर पर शनिवार को किसानों के पहुंचने की संभावना पर पीएसी की दो कंपनियों के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और एनएच-9 की लेन पर वाहनों की धीमी गति से काफी देर तक जाम की स्थिति रही। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का काफिला भी कड़ी सुरक्षा में दिल्ली की तरफ निकाला गया। उनके आने से पहले हिंडन एयरफोर्स से रामसेतु मार्ग (एलिवेटेड रोड) वाया यूपी गेट और मोहननगर से वसुंधरा-वैशाली-डाबर तिराहा, कौशांबी आनंद विहार रूट पर पुलिस अधिकारी अलर्ट मोड पर रहे।

किसानों के दिल्ली आह्वान के बीच शुक्रवार को मुजफ्फरनगर के सिसौली में हुई भारतीय किसान यूनियन समेत अन्य संगठनों की बैठक में किसान नेता राकेश टिकैत के तेवर देखकर अधिकारी अलर्ट हो गए। किसानों के यूपी गेट पहुंचने की संभावना में पुलिस आयुक्त अजय मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश पी.कुमार, डीसीपी निमिष पाटिल, इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह, एसीपी एलआईयू व एडीसीपी वीरेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने यूपी गेट का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। इस बीच उच्च अधिकारियों के चेहरे पर तनाव नजर आया।

दोपहर करीब 12 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली जाने की सूचना पुष्ट होते ही पुलिस अधिकारी इधर-उधर व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुट गए। यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे व राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर भारी पुलिस बल तैनात हो गया। उच्च अधिकारियों की सख्ती से पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतें हुईं। महिलाएं और बच्चों को धूप में काफी दूर तक पैदल चलना पड़ा। दोपहर पौने दो बजे हिंडन एयरफोर्स स्टेशन परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलिकॉप्टर से पहुंचे। यहां से वह एलिवेटेड रोड होते हुए यूपी गेट वाया एनएच-9 से दिल्ली की तरफ रवाना हो गए। उनका काफिला गुजरने के दौरान हिंडन एयरफोर्स से एक्सप्रेसवे तक ट्रैफिक को रोक दिया गया जिससे लोगों को जाम की स्थिति झेलनी पड़ी।

इससे पहले भी एक्सप्रेसवे पर वाहनों की धीमी गति रहने से लंबी कतार लगी रही और एंबुलेंस फंसने के अलावा लोगों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं, अधिकारियों ने सीएम के आने से पहले यूपीगेट-गाजीपुर बॉर्डर पर ड्रोन कैमरे से व्यवस्था को देखा।

मकान खरीदने के नाम पर 29.50 लाख रुपये हड़पे

गाजियाबाद। कविनगर के रजापुर निवासी संगीता से उनके पति के परिचितों ने मकान खरीदने के नाम पर 11.50 लाख रुपये उधार लेकर और 18 लाख रुपये मकान बैंक से छुड़वाने के नाम पर हड़प लिए। अब वह रुपये वापस मांग रही हैं तो वे उन्हें जेल भिजवाने की धमकी दे रहे हैं। मामले में उन्होंने पूजा गोला, अजय कुमार और किशनवती के खिलाफ कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

संगीता का कहना है कि उनके पति सुनील कुमार के पास पूजा, अजय, किशनवती और गंगाशरन का आना-जाना था। आरोप है कि इन्होंने 2015 में उनके पति से एक मकान खरीदने के लिए 11.50 लाख रुपये उधार लिए। उन्होंने उस मकान पर 17 लाख रुपये का ऋण भी लिया। कुछ समय तक वह उसकी किस्त जमा करते रहे लेकिन कैंसर से गंगाशरन की मृत्यु के बाद उन लोगों ने किस्त जमा करनी बंद कर दी। जिससे बैंक ने उनका मकान बंधक बना लिया। पूजा, अजय और किशनवती ने उनसे मकान छुड़वाने की बात की। उन्होंने अपना एक प्लॉट बेचकर 18 लाख रुपये बैंक को देकर उनका मकान छुड़वा दिया। इसी बीच उनके पति सुनील की भी मौत हो गई। कुछ समय बाद उन्होंने रुपये वापस मांगे तो आरोपी रुपये लौटाने से इन्कार करने लगे और बच्चों को जेल भिजवाने की धमकी देने लगे। एसीपी कविनगर का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

भारतीय खाद्य निगम तेलंगाना में नियुक्ति के बहाने 65 लाख ठगे

इंदिरापुरम। अहिंसाखंड एक में एटीएस एडवांटेज सोसायटी के रामानुज मुव्वाला से भारतीय खाद्य निगम तेलंगाना की सलाहकार समिति में नियुक्ति दिलाने का झांसा देकर दो लोगों ने 65 लाख रुपये ठग लिए। उनका आरोप है कि शातिरों ने भारतीय खाद्य निगम में तैनात आईएएस अधिकारी के नाम का फर्जी पत्र देकर उन्हें तेलंगाना भेज दिया। इंदिरापुरम पुलिस ने दो लोगों पर धोखाधड़ी समेत अन्य धारा में नामजद मुकदमा किया है।

उन्होंने पुलिस को शिकायत दी कि कृष्ण कुमार नाम के दोस्त ने उन्हें 15 दिसंबर 2020 को कॉल की, जिसमें उन्हें हैदराबाद स्थित भारतीय खाद्य निगम के तेलंगाना क्षेत्र में सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति दिलाने की बात कही। बाद में उनकी सुरेंद्र बाबू नाम के व्यक्ति से आंध्रप्रदेश के चितूर और नीरज सूद से दिल्ली लक्ष्मी नगर में मुलाकात कराई। आरोप है कि नीरज ने उनसे नौकरी लगवाने के बहाने एडवांस में 16 लाख रुपये मांगे। यह रकम दोस्त कृष्ण ने उनके खाते से ट्रांसफर कर दी। उसके बाद दो बार में चार लाख रुपये लिए। 22 दिसंबर को शातिरों ने उन्हें भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार का फर्जी नियुक्ति पत्र दिया जो प्रिंसिपल सेक्रेटरी अमित कुमार के नाम से था।

इसके साथ दूसरा पेपर डिप्टी सेक्रेटरी को संलग्न था। इन पेपरों को लेकर जब वह तेलंगाना गए तो वहां खाद्य निगम के ऑफिस में आईपीएस अधिकारी ब्रिजेश कुमार ने फर्जी बताकर नौकरी देने से मना कर दिया। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने दूसरी फाइल दिखाकर उन्हें धमकी दी कि यदि 45 लाख रुपये नहीं दोगे तो नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद उनसे दो बार में यह रकम वसूलकर धोखाधड़ी की। अब फजीर्वाड़ा सामने आने पर उनके विरोध करने पर धमकी दे रहा है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि नामजद आरोपियों को जल्द तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पुराने बस अड्डे पर लगा लंबा जाम

गाजियाबाद। शनिवार को हुई उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते पुराना बस अड्डे के पास भीषण जाम लग गया। नवयुग मार्केट स्थित नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज और सेठ मुकंद लाल इंटर कॉलेज में परीक्षा केंद्र था। ऐसे में वहां पहली पाली की परीक्षा पूरी होने के बाद अभ्यर्थी केंद्रों से बाहर निकले तो सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। इधर पुराना बस अड्डे पर फ्लाईओवर पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। दूसरी ओर हापुड़ मोड़ की ओर भी जाम लग गया। यातायात पुलिसकर्मी यातायात को सामान्य कराने में जुटे रहे।

सवा साल बाद बरामद हुई मोपेड, तब लिखी चोरी की रिपोर्ट

अलीगढ़। थाना क्षेत्र की एक महिला की सवा साल पहले खेत से मोपेड चोरी हो गई थी। पीड़िता ने उसी समय चोरी की तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज नहीं किया। सवा साल बाद चंडौस थाना क्षेत्र से मोपेड बरामद होने के बाद हरदुआगंज पुलिस ने मोपेड चोरी होने का मुकदमा दर्ज किया है।

थाना क्षेत्र के गुरुसिकरन गांव के मजरा नगला खूतिया निवासी भूरी देवी पत्नी सुनील कुमार के अनुसार 11 नवंबर 2022 को खेत पर मोपेड खड़ी कर वह खेतों पर काम करने लगी थीं। इसी दौरान उनकी मोपेड चोरी हो गई थी। उन्होंने उसी समय हरदुआगंज थाने पहुंचकर तहरीर दी थी, लेकिन थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी।

अब उन्हें पता चला कि उनकी मोपेड रमेश चंद्र पुत्र राजवीर निवासी नगला कुतिया व सुमित पुत्र विषपाल निवासी ओगापुर थाना चंडौस ने मिलकर चोरी की थी।

किसान नेताओं ने एमएसपी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

अलीगढ़। 17 फरवरी को गोंडा-अलीगढ़ मार्ग स्थित पीपली चौराहे पर भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। एमएसपी की मांग को लेकर भाकियू कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष और किसान नेता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो ने कहा कि किसान सिर्फ एमएसपी मांग रहे हैं। उनकी मांगों को मानने की जगह किसानों पर गोलियां चलाई जा रही हैं। किसी भी स्थिति में सरकार के इस उत्पीड़न को किसान बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब तक किसानों की मांगे नहीं मानी जाएंगी, आंदोलन करते रहेंगे।

इसी के साथ सरकार का विरोध जताते हुए प्रधानमंत्री का पुतला फूंका गया। भाकियू चढ़ूनी के राष्ट्रीय सचिव व मंडल अध्यक्ष टीकम सिंह सूर्यवंशी, चौ. डंबर सिंह नवमनोनीत जिलाध्यक्ष, मनवीर सिंह, चौ. रोहतांग सिंह, बृजेश चौधरी, चौ. धर्मवीर सिंह, भोला चौधरी, अजय शर्मा, ऋषिपाल सिंह, पुष्पेंद्र सिंह मौजूद रहे।

गाली-गलौज करने पर ईंट से कूंचकर की थी दोस्त की हत्या

साहिबाबाद। खजूरी पार्क में 15 फरवरी को ईंट से चेहरा कूंचकर रजनीश की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में रजनीश के दोस्त साहिल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना से पहले साहिल ने रजनीश और एक अन्य दोस्त के साथ बैठकर शराब पी थी। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि रजनीश ने उसके घर से 50 मीटर दूर पार्क में गाली-गलौज व झगड़ा किया था। तभी उसने ईंट व पत्थर से हमला कर हत्या कर दी थी।

एसीपी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि खजूरी पार्क में लहूलुहान हालत में मिले युवक की पहचान जनकपुरी के रविंद्र कुमार ने अपने भाई रजनीश के रूप में की थी। टीम ने घटनास्थल पर जांच में पार्क के चारों तरफ सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ली तो उसमें रजनीश के साथ एक युवक आता नजर आया।

टीम ने फुटेज से आरोपी की पहचान साहिल पुत्र विनोद कुमार प्रजापति निवासी जनकपुरी के रूप में की। शुक्रवार रात टीम ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल की। उसने पुलिस को बताया कि वह पाइप मार्केट में मंगल ट्यूब नामक फैक्टरी में काम करता है और रजनीश को एक महीने से जानता है।

14 फरवरी की शाम को फैक्टरी से निकलकर रजनीश के साथ कॉलोनी में ठेके पर शराब खरीदने गया था। इसके बाद दोनों ने एक साथ बैठकर शराब पी फिर घर जाने के दौरान रास्ते में टनटन उर्फ चिंटू आता मिल गया। तीनों ने दोबारा ठेके से शराब खरीदी और रजनीश के कमरे पर बैठकर पी। जब रजनीश ज्यादा नशे में हो गया तो वह साहिल को साथ चलकर घर छोड़ने की जिद करने लगा।

टनटन शराब पीकर अपने घर चला गया जबकि वह दोनों गिरते-पड़ते जनकपुरी में पहुंचे। वहां दोनों खजूरी पार्क में पहुंचे तो घर छोड़ने की बात पर झगड़ा हो गया। इस दौरान रजनीश ने उसे गाली देनी शुरू कर दी। इससे वह भड़क गया। उसने निमार्णाधीन पानी की टंकी के नीचे से ईंट उठाकर रजनीश के चेहरे पर मार दिया।

सात घंटे तक पार्क में पड़ा रहा शव

साहिबाबाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और तत्परता का अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि घटनाक्रम को आरोपी साहिल ने बुधवार रात करीब 12 बजे अंजाम दिया था। इसके बाद बृहस्पतिवार सुबह सात बजे तक खून से लथपथ शव पड़ा रहा और पुलिस को इसकी भनक नहीं लगी। इतना ही नहीं,घटनास्थल पर पानी की टंकी का निर्माण करने वाले कर्मचारी टीनशेड में थे और पार्क में दूसरी तरफ सुबह आठ बजे तक धार्मिक कार्यक्रम हो रहा था। इसमें काफी लोग मौजूद थे लेकिन वहां पुलिस ने रात में गश्त की और न लोगों ने कोई सूचना दी।

खून से सने कपड़े धोकर सुबह चला गया फैक्टरी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या के दौरान उसके कपड़े खून से सन गए थे। वह घटनास्थल 50 मीटर दूर स्थित घर पहुंचा और रात में ही कपड़े धोकर खून साफ कर दिया। इसका पता परिवार के किसी सदस्य को नहीं चला। अगले दिन वह पाइप मार्केट स्थिति फैक्टरी पर काम करने चला गया और देर शाम लौटने पर वह घर में छुप गया।

जेल भेजे गए चार भाजपाई रिहा, राकेश सहाय की जमानत अर्जी पर सुनवाई 19 फरवरी को

अलीगढ़। पुलिस से गाली-गलौज के आरोप में अलीगढ़ के भाजपा नेता राकेश सहाय संग जेल भेजे गए उसके चार साथियों की 18 फरवरी सुबह रिहाई हो गई। अभी राकेश सहाय की रिहाई नहीं हो सकी है। उस पर अन्य मुकदमों में 19 फरवरी को जमानत अर्जी पर सुनवाई होनी है।

13 फरवरी को जेल भेजे गए राकेश सहाय, नितिन काजल, रिंकू, भूपेंद्र व सौरभ की जमानत अर्जी उसी दिन दायर कर दी गई थी। 17 फरवरी को सुनवाई के बाद पांचों को जमानत दी गई। चूंकि राकेश सहाय पर जेल जाने के बाद अन्य मुकदमा तामील हुआ है।

इसलिए उसकी रिहाई अटक गई। नितिन काजल, रिंकू, भूपेंद्र व सौरभ को काफी संख्या में लोग जेल लेने पहुंचे।

रेलवे रोड सहित कुछ जगहों पर उनका स्वागत किया गया। राकेश सहाय की जमानत अर्जी पर 19 फरवरी को सुनवाई होगी।

दोस्त की प्रेमिका के परिजनों से बचकर भागा किशोर पेड़ से टकराया, हुई मौत, यह है मामला

अलीगढ़। 16 फरवरी की रात थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को युवती के परिजनों ने दबोच लिया तो साथ मौजूद दोस्त (रिश्ते में तहेरा भाई) जान बचाकर बाइक से भागा। इसी बीच रास्ते में टूटे पड़े पेड़ से टकराकर उसकी बाइक गिर गई और सिर पर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतक के परिवार वालों ने युवती के परिजनों पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया।

थाना बरला के एक गांव निवासी 16 वर्षीय किशोर 16 फरवरी की रात करीब दस बजे अपने दोस्त (रिश्ते में तहेरे भाई) की उसकी प्रेमिका से मुलाकात कराने के लिए थाना क्षेत्र के एक गांव में पहुंचा था। गांव के बाहर मोबाइल टॉवर पर दोस्त की प्रेमिका भी पहुंच गई। करीब एक घंटे तक तीनों वहीं पर बात करते रहे। इसी बीच युवती के परिजनों को भनक लग गई तो वह मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवती और उसके प्रेमी को दबोचकर पीटना शुरू कर दिया जबकि किशोर बाइक लेकर कुतुकपुर के रास्ते पर भागा।

पिकअप लोडर में अचानक ब्रेक लगाने से भिड़ी कार, पति-पत्नी और बेटा गंभीर घायल

अलीगढ़। अलीगढ़ जनपद के अकराबाद थाना क्षेत्र में जीटी रोड स्थित सिकंद्राराऊ-अकराबाद बॉर्डर पर 18 फरवरी को एक पिकअप लोडर से कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। जिसमें सवार दंपत्ति के साथ उनका एक मासूम बच्चा गंभीर घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मियों ने घटनास्थल पर एकत्रित भीड़ के सहयोग से घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां से डाक्टरों ने तीनों घायलों की हालत गंभीर बताते हुए अलीगढ़ के जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

जिला फिरोजाबाद के थाना शिकोहाबाद के गांव ककरारा निवासी मनोज कुमार पुत्र किशन यादव सुबह अपनी पत्नी श्रुति व बेटा के साथ कार में गांव से किसी रिश्तेदार के घर अलीगढ़ स्थित प्रेम नगर कालोनी जा रहे थे। सुबह करीब दस बजे जैसे ही उनकी कार थाना अकराबाद क्षेत्र में जीटी रोड के निकट गांव दुवागढ के पास पहुंची, तभी सामने चल रही पिकअप गाड़ी के चालक ने सवारी बैठाने के चक्कर में अचानक ब्रेक लगा लिए। जिससे पीछे चल रही कार की पिकअप से भिड़ंत हो गई।

हादसे में कार सामने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार दंपत्ति व मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही तमाम राहगीर व स्थानीय लोगों ने मौके पर कार में फंसे घायलों को किसी तरह बाहर निकालकर घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। हादसे की सूचना पर पीआरवी 724 के कर्मी मौके पर पहुंचे। घायलों को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए अकराबाद सीएचसी भेजा गया। जहां डाक्टरों ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर गंभीर हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस की गाड़ी में बैठकर युवक ने बनाई रील, आरोपी गिरफ्तार

इंदिरापुरम। कनावनी चौकी क्षेत्र की पीसी-18 में बैठकर युवक का सोशल मीडिया पर रील बनाते वीडियो वायरल हुआ है। इंदिरापुरम पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जांच में आया कि वीडियो 15 फरवरी का है। पीसी पर तैनात पुलिसकर्मी जाम खुलवा रहे थे। तभी युवक ने रील बनाकर सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कर दी। टीम ने युवक को गिरफ्तार किया है।

इंदिरापुरम कोतवाली में तैनात दारोगा सुरेश चंद्र मौर्या ने मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने शिकायत दी कि 15 फरवरी को वह पीसी 18 पर तैनात थे। कनावनी पुलिया पर भारी जाम लगने की सूचना पर वह मुख्य आरक्षी जयनारायण सिंह के साथ मौके पर पहुंचे थे। दोनों पीसी खड़ी करके वाहनों का जाम खुलवाने में जुट गए। कुछ देर बाद जाम खुलवाकर लौटे तो वीडियो सामने आया। इसमें लोनी का रहने वाला मोइन कुरैशी पीसी 18 के साथ दिख रहा था। वीडियो कनावनी पुलिया के पास का था। उनका कहना है कि युवक मोइन कुरैशी ने वीडियो बनाकर लोगों को धोखा देने के उद्देश्य से जानबूझकर वीडियो वायरल कर दिया।

एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि आरोपी मोइन कुरैशी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ पीसी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को ऐसा वीडियो नहीं बनने देने की हिदायत दी है।

अलीगढ़ के दो केंद्रों पर हुई इंजीनियरिंग सर्विसेज परीक्षा, 741 अभ्यर्थी रहे गैरहाजिर

अलीगढ़। संघ लोक सेवा आयोग की इंजीनियरिंग सर्विसेज परीक्षा 2024 में 741 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। 18 फरवरी को दो केंद्रों पर परीक्षा संपन्न हुई।

एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज में बने परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में 384 अभ्यर्थियों में से 178 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि 206 ने परीक्षा छोड़ दी। द्वितीय पाली में कुल 384 अभ्यर्थियों में से 175 अभ्यर्थी शामिल हुए 209 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी।

इसी तरह एसएमबी इंटर कॉलेज में प्रथम पाली में कुल 298 में से 135 अभ्यर्थी शामिल हुए 163 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। द्वितीय पाली में कुल 298 अभ्यर्थियों से 135 परीक्षा में शामिल हुए और 163 ने परीक्षा छोड़ दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन व शांतिपूर्वक ढंग संपन्न कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

पुलिस भर्ती परीक्षा में अलीगढ़ के सॉल्वर गैंग की सेंध, पहले दिन सूबे में नौ दबोचे

अलीगढ़। पुलिस भर्ती परीक्षा में प्रदेशभर में अलीगढ़ सात लोग गिरफ्तार हुए हैं। दो जिले में भी पकड़े गए हैं, जिनके बारे में जांच चल रही है। दो दिन से जिले में डेरा डाले एसटीएफ (विशेष जांच बल) इन लोगों के तार जोड़ने और अलीगढ़ से नाता खंगालने में जुटी है।

भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व सॉल्वरों को लेकर अलीगढ़ खासा बदनाम है। हर परीक्षा में कोई न कोई गैंग यहां जुड़ा निकलता रहा है। इसलिए एसटीएफ को यहां पहले से सक्रिय रखा गया है। जिले में पहले दिन चिरंजीलाल इंटर कॉलेज व रेडियंट स्टार स्कूल से एक-एक परीक्षार्थी को संदेह के आधार पर पकड़ा गया है। अलीगढ़ रहने वाले आगरा में एक, हाथरस में दो, मथुरा में एक और बरेली में तीन आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। इन सभी के स्थानीय संपर्कों पर एसटीएफ काम कर रही है। जानकारी में आया है कि जो हाथरस में पकड़े गए हैं, उनमें से एक यहां पूर्व में बीएसए आफिस में सेवाएं दे चुका है। इसी दौरान उसके संपर्क सॉल्वर गैंग से हुए थे और तभी से इस धंधे में है।

मंडल भर में पुलिस की टीमें व एसटीएफ टीम सक्रिय है। पेपर में किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। अब तक मंडल में काफी संख्या में गिरफ्तारी व मुकदमे हुए हैं। एसटीएफ ने बाहरी जिलों में अलीगढ़ के कुछ लोग पकड़े हैं। इन सभी पर विशेष गंभीरता से काम किया जा रहा है।-शलभ माथुर, आईजी रेंज

परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। पहले दिन चिरंजीलाल इंटर कॉलेज व रेडियंट स्टार स्कूल से एक-एक परीक्षार्थी को संदेह के आधार पर पकड़ा गया है। इनसे पूछताछ जारी है। रविवार को भी 19 केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ ही सात सेक्टर मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं।-अमित कुमार भट्टा, एडीएम सिटी एवं नोडल अधिकारी परीक्षा

पहले दिन 623 ने छोड़ा मैदान, आज भी होगी 19 केंद्रों पर परीक्षा

जिले के 19 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। पहले दिन दो पालियों में परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें 18,438 परीक्षार्थियों में से 623 ने परीक्षा छोड़ दी। प्रथम पाली में कुल 9219 में 309 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 9219 में से 314 परीक्षार्थी गैर हाजिर रहे। रविवार को भी इन्हीं केंद्रों पर परीक्षा होगी।

दोस्त के स्थान पर परीक्षा दे रहा फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा

लोधा थाना क्षेत्र के अलीगढ़-पलवल हाईवे स्थिति रेडिएंट स्टार पब्लिक स्कूल में द्वितीय पाली में दोस्त के स्थान पर परीक्षा दे रहे सुरेंद्र निवासी चौधाना थाना खैर को पकड़ा है।

यह जयप्रकाश पुत्र छत्तरपाल सिंह निवासी मंगौला थाना खैर के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकारा है कि वह दोस्त के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। माना जा रहा है कि युवक सॉल्वर गैंग से जुड़ा हुआ है। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि लोधा के अलावा एक परीक्षार्थी चिरंजी लाल बालिका इंटर कॉलेज से पकड़ा गया है। संदिग्ध परीक्षार्थी को सॉल्वर गैंग से जुड़ा सदस्य माना जा रहा है। प्रारंभिक पूछताछ में कई संदिग्ध बातें सामने आई है। दस्तावेजों का भी सत्यापन कराया जा रहा है।

डीएम-एसएसपी ने परीक्षा केंद्रों पर लिया परीक्षा का जायजा

परीक्षा के दौरान डीएम विशाख जी व एसएसपी संजीव सुमन ने श्री महेश्वर गर्ल्स इंटर कॉलेज, चिरंजी लाल बालिका इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एवं धर्म समाज बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

सेहत/स्वास्थ्य

कीटो डाइट पर भी खाए जा सकते हैं ये फल

मिताली जैन

कीटो डाइट में आप एवोकाडो ले सकते हैं। दरअसल, इसमें कार्ब्स बहुत कम और हेल्दी फैट अधिक होते हैं। इसलिए, जब आप कीटो डाइट में एवोकाडो का सेवन करते हैं तो आप कीटोसिस में ही रहते हैं। इसमें प्रति 100 ग्राम में लगभग 2 ग्राम कार्ब्स होते हैं।

पिछले कुछ सालों में कीटो डाइट बहुत अधिक पॉपुलर होती जा रही है। खासतौर से, वेट लॉस करने और इंसुलिन सेंसेटिविटी को इंप्रूव करने के लिए इसे एक अच्छी डाइट माना जाता है। यह एक ऐसी डाइट है, जिसमें फैट्स सबसे ज्यादा लिए जाते हैं। इस डाइट में शरीर कीटोसिस में चला जाता है।

इसमें प्रोटीन करीबन 20 प्रतिशत होता है और कार्ब्स को केवल 5-10 प्रतिशत ही लिया जाता है। इसलिए, इस डाइट पर रहते हुए आपको अपने फूड इंग्रीडिएंट्स पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। अधिकतर लोग इस डाइट में फलों को अवॉयड करते हैं। उन्हें लगता है कि फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यदि वे इन्हें खाते हैं तो ऐसे में वे कीटोसिस से बाहर निकल जाएंगे। जबकि ऐसा नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे लो कार्ब फलों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें कीटो डाइट में भी खाया जा सकता है-

एवोकाडो

कीटो डाइट में आप एवोकाडो ले सकते हैं। दरअसल, इसमें कार्ब्स बहुत कम और हेल्दी फैट अधिक होते हैं। इसलिए, जब आप कीटो डाइट में एवोकाडो का सेवन करते हैं तो आप कीटोसिस में ही रहते हैं। इसमें प्रति 100 ग्राम में लगभग 2 ग्राम कार्ब्स होते हैं।

बेरीज

जब आप कीटो डाइट पर हैं तो आप अलग-अलग बेरीज जैसे स्ट्रॉबेरी, रास्पबेरी व ब्लैकबेरी को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। अन्य फलों की तुलना में बेरीज में कार्ब्स अपेक्षाकृत काफी कम होते हैं। मसलन, अगर आप स्ट्रॉबेरी खाते हैं तो प्रति 100 ग्राम में लगभग 6 ग्राम कार्ब्स मिलते हैं। इसी तरह, प्रति 100 ग्राम में रसभरी में लगभग 5 ग्राम और ब्लैकबेरी में लगभग 4 ग्राम कार्ब्स होते हैं।

तरबूज

तरबूज का सेवन करना सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो बॉडी के हाइड्रेशन लेवल को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, आप कीटो डाइट में भी इस टेस्टी फल को खा सकते हैं। इसमें प्रति 100 ग्राम में लगभग 7 ग्राम शुद्ध कार्ब्स होते हैं। हालांकि, इसमें नेचुरल शुगर कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए इसका सीमित मात्रा में ही सेवन करें।

तरबूज का सेवन करना सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो बॉडी के हाइड्रेशन लेवल को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, आप कीटो डाइट में भी इस टेस्टी फल को खा सकते हैं।

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

घरेलू नुस्खे

अपनाएं ये आसान टिप्स और बनाएं बेहद ही डिलिशियस बैंगन भरता

मिताली जैन

जब भी आप बैंगन भरता बनाते हैं तो आप किस तरह के बैंगन ले रहे हैं, यह काफी अहम्‍ है, क्योंकि इसी से आपकी डिश का टेस्ट आता है। कोशिश करें कि आप हमेशा फर्म और फ्रेश बैंगन ही लें। इसके अलावा, बैंगन को भूनने से पहले उसमें कांटे से छेद जरूर करें।

जिन लोगों को बैंगन खाना अच्छा लगता है, वे अक्सर बैंगन का भरता ही पसंद करते हैं। बैंगन के भरते का टेस्ट काफी अलग होता है। अमूमन लोग घर पर बैंगन भरता बनाते तो जरूर हैं, लेकिन उसका टेस्ट उतना अच्छा नहीं आता है। इसलिए, लोग रेस्त्रां से बैंगन भरता ऑर्डर करते हैं। हो सकता है कि आपको भी बैंगन भरता खाना पसंद हो, लेकिन आप उतना अच्छा बैंगन भरता नहीं बना पाते हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स बताएंगे, जिन्हें फॉलो करके आप बेहद आसानी से डिलिशियस बैंगन भरता बना सकते हैं-

सही हो बैंगन

जब भी आप बैंगन भरता बनाते हैं तो आप किस तरह के बैंगन ले रहे हैं, यह काफी अहम्‍ है, क्योंकि इसी से आपकी डिश का टेस्ट आता है। कोशिश करें कि आप हमेशा फर्म और फ्रेश बैंगन ही लें। इसके अलावा, बैंगन को भूनने से पहले उसमें कांटे से छेद जरूर करें। इससे बैंगन सही तरह से भुनता है और डिश को एक स्मोकी टेस्ट मिलता है।

निकाल दें बीज

जब आप बैंगन भरता बना रहे हैं तो आपको बैंगन से अतिरिक्त बीज निकाल देने चाहिए। दरअसल, अगर बैंगन में ज्यादा बीज होंगे तो इसका स्वाद पर असर पड़ सकता है। इसलिए, एक बार बैंगन को भून लेने के बाद उसे काटते समय बीज निकाल देना सबसे अच्छा माना जाता है।

टेस्ट को करें बैलेंस

बैंगन भरता खाने में काफी टेस्टी होता है और इसमें आपको सभी तरह के टेस्ट मिलते हैं। मसलन, भुने हुए बैंगन से स्मोकी टेस्ट, हरी मिर्च से तीखा, टमाटर से टैंगी और मसालों से टेस्ट व अरोमा मिलता है। ऐसे में अगर आप बैंगन भरता बनाते समय उसमें कुछ बदलाव करना चाहते हैं तो अपने टेस्ट के अनुसार मसालों और सीजनिंग को एडजस्ट करें।

फ्रेश हर्ब्स का करें इस्तेमाल

परोसने से ठीक पहले बैंगन भरता को ताजी कटी हुई धनिया की पत्तियों से सजाएं। इससे ना केवल बैंगन भरता देखने में काफी अच्छा लगता है, बल्कि डिश में भी ताजगी और रंग आ जाता है।

जब भी आप बैंगन भरता बनाते हैं तो आप किस तरह के बैंगन ले रहे हैं, यह काफी अहम्‍ है, क्योंकि इसी से आपकी डिश का टेस्ट आता है। कोशिश करें कि आप हमेशा फर्म और फ्रेश बैंगन ही लें। इसके अलावा, बैंगन को भूनने से पहले उसमें कांटे से छेद जरूर करें।

ब्यूटी/फैशन

चाहिए ग्लोइंग स्किन तो चावल के आटे से बनाएं ये बॉडी स्क्रब

मिताली जैन

चावल के आटे और नारियल तेल की मदद से एक बेहतरीन स्क्रब तैयार किया जा सकता है। जहां चावल का आटा एक एक्सफोलिएंट के रूप में कार्य करता है, वहीं नारियल का तेल स्किन को गहराई से मॉइश्चराइज करता है।

चावल का सेवन तो हर घर में किया जाता है। कुछ लोग चावल को पीसकर उसका आटा बना लेते हैं और उससे तरह-तरह की डिशेज बनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि चावल का आटा स्किन के लिए भी उतना ही फायदेमंद है। अगर आप चाहें तो चावल के आटे में कुछ इंग्रीडिएंट्स को मिक्स करके बेहतरीन बॉडी स्क्रब बनाया जा सकता है। इन स्क्रब की मदद से ना केवल आपकी डेड स्किन सेल्स रिमूव होती है, बल्कि इससे स्किन टोन भी इवन और ग्लोइंग बनती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चावल के आटे से बनने वाले कुछ बॉडी स्क्रब के बारे में बता रहे हैं-

चावल का आटा और नारियल तेल से बनाएं स्क्रब

चावल के आटे और नारियल तेल की मदद से एक बेहतरीन स्क्रब तैयार किया जा सकता है। जहां चावल का आटा एक एक्सफोलिएंट के रूप में कार्य करता है, वहीं नारियल का तेल स्किन को गहराई से मॉइश्चराइज करता है।

आवश्यक सामग्री:

1/4 कप चावल का आटा
2 बड़े चम्मच नारियल तेल (पिघला हुआ)
एसेंशियल ऑयल की दो बूंदे

बॉडी स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले नारियल तेल को पिघला लें।
अब इसमें चावल का आटा और एसेंशियल ऑयल मिक्स करें।
अब आप अपनी स्किन को हल्का गीला करें और तैयार स्क्रब को बॉडी पर लगाएं।
अब आप सर्कुलर मोशन में स्किन की हल्के हाथों से मसाज करें।
करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।
अंत में, पानी की मदद से इसे क्लीन करें।

चावल का आटा और शहद से बनाएं स्क्रब

चावल के आटे के साथ शहद को मिक्स करके एक बेहतरीन स्क्रब तैयार किया जा सकता है। चूंकि, शहद एक प्राकृतिक् मेक्टेंट है, जिसका अर्थ है कि यह स्किन में नमी बनाए रखने में मदद करता है। जिसके कारण आपकी स्किन अधिक स्मूथ और हाइड्रेटेड रहती है।

आवश्यक सामग्री-

1/4 कप चावल का आटा
2 बड़े चम्मच शहद
लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले आप चावल को पीसकर आटा बना लें।
अब इसमें शहद और एसेंशियल ऑयल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।
आपका बॉडी स्क्रब बनकर तैयार है।
अब आप अपनी स्किन को गीला करें और तैयार स्क्रब को बॉडी पर लगाएं।
हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें।
करीबन दस मिनट बाद स्किन को क्लीन करें।

बॉडी स्क्रब बनाने का तरीका

सबसे पहले नारियल तेल को पिघला लें। अब इसमें चावल का आटा और एसेंशियल ऑयल मिक्स करें। अब आप अपनी स्किन को हल्का गीला करें और तैयार स्क्रब को बॉडी पर लगाएं। अब आप सर्कुलर मोशन में स्किन की हल्के हाथों से मसाज करें। करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।

ग्रीन टी

वजन के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मददगार है ग्रीन टी, जानें इसे पीने के लाजवाब फायदे

ग्रीन टी पीने से सेहत से जुड़े कई फायदे मिल सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला पोलीफिनॉल कई बीमारियों से बचाव में भी मदद करता है जिस कारण से इसे पीना सेहत के लिहाज से काफी लाभदायक माना जाता है। ज्यादातर लोग इसे वजन कम करने के लिए पीते हैं लेकिन इसे पीने से और भी कई लाभ मिल सकते हैं। जानें ग्रीन टी पीने के फायदे।

क्या आप जानते हैं कि चाय आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है, लेकिन हम किसी ऐसी वैसी चाय की बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं ग्रीन टी की। ग्रीन टी पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है, इस बात से लगभग हर कोई वाकिफ है। हालांकि, ज्यादातर लोग इसे वजन कम करने के लिए पीना पसंद करते हैं, लेकिन इससे मिलने वाले फायदों की सूची यही खत्म नहीं होती है। रोज ग्रीन टी पीने से आपको ऐसे फायदे मिल सकते हैं, जिसका आपने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा। आइए जानते हैं ग्रीन टी पीना कैसे आपकी सेहत के लिए लाभदायक हो सकता है।

दिमाग को हेल्दी रखता है

ग्रीन टी पीना आपके दिमाग के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इसमें पोलीफिनॉल पाया जाता है, जो दिमाग पर होने पर एजिंग के असर को कम करने में मददगार होता है। साथ ही, कैफीन और एल-थाइनिन भी पाए जाते हैं, जो ब्रेन का फोकस बढ़ाने और हैप्पी हार्मोन्स रिलीज कर, मूड बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद

ग्रीन टी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इंफ्लेमेशन कम होने की वजह से ब्लड प्रेशर हाई होने की संभावना कम होती है, जो दिल की बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें पाए जाने वाले पोलीफिनॉल्स, कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं, जो हार्ट डिजीज से बचने के लिए फायदेमंद होते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल कर सकता है

कुछ स्टडीज में ऐसा पाया गया है कि ग्रीन टी पीने से ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद मिलती है। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बना सकता है, जो ब्लड शुगर लेवल कम करने में मदद करता है। हालांकि, इस बारे में और रिसर्च करने की जरूरत है।

स्ट्रोक का खतरा कम करता है

ग्रीन टी पीने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जो स्ट्रोक के खतरे को कम करने में मदद करता है। कोलेस्ट्रॉल की वजह से आर्टरीज ब्लॉक हो सकती हैं, जो स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। इसलिए इससे बचाव में ग्रीन टी काफी मददगार है।

स्किन के लिए फायदेमंद

ग्रीन टी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

फ्री रेडिकल डैमेज को कम करने में एंटी-ऑक्सीडेंट्स लाभदायक होते हैं।

इसके अलावा, इसे स्किन पर ऊपर से लगाने से भी इंफ्लेमेशन को कम करने में मदद मिल सकती है।

रोज की इन आदतों में सुधार कर, पाएं हार्मोनल असंतुलन की समस्या से छुटकारा

हेल्दी रहने के लिए जरूरी है कि हमारा हार्मोन लेवल बराबर रहे। हार्मोन्स हमारे बॉडी फंक्शन के लिए काफी आवश्यक होते हैं। इनकी कमी की वजह से सेहत से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं। हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में लाइफस्टाइल बहुत अहम भूमिका निभाती है। जानें रोज की किन आदतों में सुधार कर हार्मोन्स का संतुलन बरकरार रख सकते हैं।

अच्छी सेहत के लिए हार्मोनल बैलेंस बरकरार रहना बेहद महत्वपूर्ण है। हार्मोन्स में असंतुलन होने की वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें थायरॉइड, पीसीओडी, डायबिटीज, जैसी बीमारियां शामिल हैं। हार्मोन्स के लेवल को संतुलित रखने में हमारी लाइफस्टाइल काफी अहम भूमिका निभाती है, लेकिन हमारी बदलती जीवनशैली में हम अक्सर कुछ ऐसी गलतियां करते हैं, जिनकी वजह से हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं, अपनी रोजमर्रा की किन आदतों में सुधार कर, हार्मोन लेवल को संतुलित रखने में मदद मिल सकती है।

सुबह का समय धूप में बिताएं

हम धूप से बचने या धूप में बिल्कुल समय न बिताने का कल्चर अपनाते जा रहे हैं। सनलाइट में समय बिताने से टैनिंग की समस्या हो सकती है, ऐसा सोचकर हम बिल्कुल ही धूप में जाना पसंद नहीं करते हैं, लेकिन इसकी वजह से हार्मोनल इंबैलेंस भी हो सकता है।

इसलिए रोज अपने दिन का थोड़ा समय धूप में बिताएं। धूप में समय बिताने से विटामिन-डी मिलता है, जो मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए जरूरी होता है। साथ ही, धूप में समय बिताने से सेरोटोनिन हार्मोन बनता है और सार्केडियन क्लॉक बेहतर होता है, जिस कारण हार्मोन्स संतुलित रहते हैं।

एक्सरसाइज करें

रोज थोड़ी देर एक्सरसाइज करना आपकी पूरी हेल्थ के लिए फायदेमंद होती है, जिसमें हार्मोनल बैलेंस भी शामिल है। रोज एक्सरसाइज करने से हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होते है, इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और वजन मेंटेन रहता है। इसलिए रोज थोड़ी देर एक्सरसाइज करें। रात को खाने के बाद थोड़ा वॉक करना भी फायदेमंद हो सकता है।

प्रोटीन से भरपूर डाइट खाएं

प्रोटीन की कमी की वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। हार्मोन्स बनाने के लिए शरीर को एमिनो एसिड्स की जरूरत होती है। प्रोटीन कम होने की वजह से एमिनो एसिड्स की मात्रा कम हो जाती है, जिस कारण से हार्मोन्स से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड आइटम्स को अपनी डाइट में शामिल करें।

तनाव कम करें

स्ट्रेस की वजह से हमारा शरीर कोर्टिसोल हार्मोन रिलीज करता है। यह बॉडी को स्ट्रेस से डील करने में मदद करता है, लेकिन कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ने की वजह से हार्मोनल इंबैलेंस हो सकता है।

ब्लू लाइट एक्सपोजर कम करें

स्मार्ट फोन के इस्तेमाल के दौरान उसमें से ब्लू लाइट निकलती है। रात के समय फोन चलाने से हमारा दिमाग इसके रिएक्शन में मेलाटोनिन हार्मोन की मात्रा कम कर देता है, जिस कारण से नींद अच्छी नहीं आती और हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।

सम्पादकीय

सुक्खू सरकार का बजट

सुक्खू सरकार का बजट खुद से बात, खुद से मुलाकात और खुद से प्रण लेता हुआ सुर्खियां बटोर गया, भले ही हिमाचल के प्रश्न और प्रश्नों के आधार पर आर्थिक दिक्कतें परीक्षा ले रही हैं। प्रदेश जिसके कंधों पर 87 हजार करोड़ का ऋण हो तथा इसी साल राजकोषीय घाटा दस हजार करोड़ के पार हो, उसके बजट के सुखद पहलू लिखने कोई आसान नहीं। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बजटीय प्रमाणिकता के साथ वादों और इरादों की झड़ी लगा रहे हैं, तो इसका व्यावहारिक पक्ष भी समझना होगा, फिर भी इसके गणित के बाहर ऐसा बहुत कुछ है, जिससे प्रदेश अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों, विकास के दायित्व, किसानों-बागबानों के प्रति समर्पण, कर्मचारियों की अपेक्षाओं तथा जनप्रतिनिधियों की हसरतों को पूरा करता हुआ दिखाई दे रहा है। शहरी और ग्रामीण निकायों के चयनित जनप्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी करके मुख्यमंत्री राजनीतिक बिरादरी का मान-सम्मान बढ़ा रहे हैं। बजट के माध्यम से विधायक व ऐच्छिक निधि में हो रहा इजाफा जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्व की संरचना में आत्मबल दे रहा है। इतना ही नहीं, नगर निगम क्षेत्रों में विधायक प्राथमिकताओं को अमल में लाने के लिए नई व्यवस्था के तहत फंड मुहैया हो रहा है। कहना न होगा कि सुक्खू का बजट आर्थिक दस्तकारी करते हुए राज्य के लिए आत्मनिर्भरता के लक्षण बटोर रहा है और इसी के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों की प्राथमिकताएं तय हो रही हैं। पर्यटन के जरिए राज्य की उम्मीदों को परवान चढ़ाने के लिए सुक्खू सरकार तेरह करोड़ की लागत से नौ हेलिपोर्ट स्थापित करने के लिए अंतिम चरण में पहुंच रही है, तो इसी तरह कनेक्टिविटी के आधार को पुख्ता करती हुई प्राथमिकता गगल एयरपोर्ट विस्तार की हर मंजिल को दुरुस्त कर रही है। कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने के मकसद से एयरपोर्ट विस्तार की हर कड़ी पर सुक्खू सरकार बुलंदी से काम कर रही है और वचनबद्धता को दोहरा रही है।

कुफरी के नजदीक हासन घाटी में स्काई वॉक ब्रिज तथा ईको टूरिज्म के तहत 93 साइट्स को निजी सहयोग से शुरू करने की प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। पांच नए पर्यटक स्थलों की पहचान व इनके विकास को लेकर बजट ने जो छलांग लगाने की कोशिश की है, उसके परिणामस्वरूप हिमाचल का मानचित्र बदल सकता है। बजट प्राकृतिक खेती की ओर एक नया संकल्प लेते हुए 36 हजार किसानों के खेतों को बदलने का आश्वासन दे रहा है, तो किसानों को बाड़ लगाने की सबसिडी देने की घोषणा हो रही है। सुक्खू सरकार राज्य को ग्रीन बनाने की दिशा में इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में वृद्धि करने जा रही है। ई-टैक्सी पर चालीस फीसदी सबसिडी के माध्यम से दस हजार परमिट दिए जाएंगे। बजट का लोक कल्याणकारी हिस्सा मुखातिब है और इस संदर्भ में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का मुफ्त इलाज, विधवाओं के नाबालिग बच्चों को हजार रुपए की आरडी तथा शादियों के लिए सरकारी डिपुओं से मिलेगा राशन।

सुक्खू सरकार कैंसर प्रतिष्ठान के रूप में हमीरपुर मेडिकल कालेज को सौ करोड़ का प्रावधान कर रही है, लेकिन इसी दृष्टि से केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर का कोई उल्लेख न होना हैरान करता है। धर्मशाला में परिसर के पक्ष में जारी आंदोलन इतनी उम्मीद तो कर ही सकता है कि कुल 58444 करोड़ के बजट से केंद्रीय विश्वविद्यालय की जदरांगल में स्थापना को तीस करोड़ मिल ही जाएंगे।

बजट शिक्षा, अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवाओं व जलशक्ति परियोजनाओं पर पूरी तरह मेहरबान है, तो सभी पंचायतों में आधुनिक पुस्तकालयों की दिशा में प्रयासरत है। हालांकि घाटे के लेखे-जोखे में राज्य का बजट कसीदागिरी कर रहा है, फिर भी देखना यह होगा कि आर्थिक विषमताओं और दबावों के बीच सुक्खू सरकार कितनी किफायत कर पाती है।

ये कमल खिलाते कांग्रेसी

यह लोकसभा चुनाव का मौसम है, लिहाजा प्रत्येक राजनीतिक घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। एक तरफ विपक्षी गठबंधन इंडिया की संभावनाएं समाप्त हो गई हैं, दूसरी तरफ भाजपा का कुनबा विस्तृत होता जा रहा है। उसकी चुनावी चुनौती भी अपराजेय लगती है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस भी बिखर रही है, जिसके नेता पार्टी छोड़ कर भाजपा या अन्य दलों में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस का राजनीतिक और वैचारिक घर टूट रहा है, यह अत्यंत महत्वपूर्ण और चिंतित सरोकार है। सरोकार इसलिए है, क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 12 करोड़ मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया था। यह कोई सामान्य जनाधार नहीं है, लिहाजा कांग्रेस का चिंतित विश्लेषण करना आज मौजू है। ताजा खबर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 9 बार के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ की है। फिलहाल अटकलें हैं कि वह और उनके सांसद-पुत्र नकुल नाथ कांग्रेस का हाथ छोड़ कर भाजपा का साथ देने जा रहे हैं। बिना आग के धुआं नहीं होता! यह उक्ति फिजूल नहीं है। चूंकि नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न हटा दिए हैं। ऐसा कई कांग्रेस विधायकों और पूर्व विधायकों ने भी किया है। सोशल मीडिया पर जय श्री राम और परिवारजनों के साथ लिखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने संबोधनों में अक्सर परिवारजनों कहते रहे हैं, लिहाजा यह भी पुख्ता संकेत हो सकता है। अचानक छिंदवाड़ा से दिल्ली आए कमलनाथ ने इन अटकलों का खंडन तक नहीं किया है। वह इस तरफ या उस तरफ की भाषा बोल रहे हैं। मीडिया को भी आश्वस्त कर रहे हैं कि जैसे भी कोई खबर होगी, सबसे पहले आपके साथ साझा करूंगा। बहरहाल कमलनाथ ने 50 साल से अधिक समय तक कांग्रेस के साथ रहकर राजनीति की है। यकीनन पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उन्हें अपना तीसरा बेटा मानती थीं। यदि अब 77 साल की उम्र में वह राजनीतिक पाला बदलते हैं और बेटे का संसदीय करियर सुरक्षित करना चाहते हैं, तो वे दोनों कांग्रेस से भाजपा में आ सकते हैं। यह पालाबदल कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री स्तर के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं और कांग्रेस आलाकमान इसे आंतरिक लोकतंत्र करार दे रहा है। कमलनाथ नया उदाहरण हो सकते हैं, लेकिन अशोक चव्हाण, गुलाम नबी आजाद, एसएम कृष्णा, विजय बहुगुणा, दिगंबर कामत, मुकुल संगमा, किरन रेड्डी, एन. वीरेन सिंह, कैप्टन अमरिंदर सिंह, नारायण राणे आदि 13 कांग्रेसी मुख्यमंत्री पार्टी छोड़ कर भाजपा का कमल खिला चुके हैं। बुनियादी सवाल है कि आखिर इतने वरिष्ठ और परंपरागत कांग्रेस नेता पार्टी को अलविदा कहने को विवश क्यों हो रहे हैं? सभी को प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर विभाग के खौफ नहीं हैं। दरअसल यह कांग्रेस के भीतर की हताशा और चुनाव न जीतने की संभावनाएं ही हैं कि कांग्रेसी अपना घर छोड़ रहे हैं।

भाजपा में संभावनाएं और राजनीतिक आयाम बेहद व्यापक हैं। जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी है, उन्हें या तो राज्यसभा में भेजा गया है अथवा राज्य सरकारों में मंत्री या केंद्रीय मंत्री बनाया गया है।

कांग्रेस कमलनाथ को राज्यसभा में भेजकर मना नहीं सकी। भाजपा ने हिमंता बिस्व सरमा, पेमा खांडू और माणिक साहा तो क्रमशः असम, अरुणाचल और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बना दिए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने बीते सप्ताह ही कांग्रेस छोड़ी है और भाजपा के राज्यसभा सांसद बन गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया

प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।

संपादक : अभिमन्यु सिंह

RNI NO UPHIN/2012/46248

Mob : 9818189921

Whatsapp : 9818189921

Email : Abhivartasamchar@gmail.com

क्या 2024 का चुनाव राहुल कांग्रेस बनाम मोदी कांग्रेस बन गया है?

शुरू शुरू में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गिनती करते थे कि चुनावों में कितने पूर्व कांग्रेसियों को भाजपा का टिकट मिला, लेकिन अब यह गिनती करना उन्होंने बंद कर दिया है। कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा की एक्स पर की गई टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान दशा का बाखूबी बयान करती है।

उन्होंने लिखा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव राहुल गांधी की कांग्रेस और मोदी की कांग्रेस के बीच होगा। कांग्रेस मुक्त भारत का मतलब यह तो नहीं था कि सारे कांग्रेसी भाजपा में शामिल कर लिए जाएं, और उन्हीं को राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभाओं की टिकट देकर भाजपा को ही कांग्रेस बना दिया जाए।

सत्ता की इस अंधी चाह में डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों वाली भाजपा कहीं खो गई है। कांग्रेस मुक्त भारत की जगह पर भाजपा मुक्त भारत हो गया है। जनसंघ के परिवारों से निकले भाजपा के कार्यकर्ता डा. मुखर्जी, दीन दयाल उपाध्याय, डा. रघुबीर, बलराज मधोक, अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के सिद्धांतों और आदर्शों वाली भाजपा खोज रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जनता पार्टी से टूट कर बनी भाजपा को उसी तरह अपने प्रचारक भेजना जारी रखा था, जैसे जनसंघ में संघ के प्रचारक पार्टी की रीढ़ की हड्डी हुआ करते थे। वे पार्टी में विचारधारा का संचालन करते थे। वे अब भी पार्टी में संगठन महामंत्रियों के पद पर विराजमान हैं, लेकिन जिस काम के लिए उन्हें पार्टी में लाया गया था, वह काम अब गैर जरूरी सा हो गया है। क्योंकि पार्टी का लक्ष्य अपने एजेंडे को लागू करने के लिए चुनावी राजनीति में नेहरू परिवार की कांग्रेस पर विजय को बरकरार रखना है।

जनसंघ परिवारों से आए भाजपा कार्यकताओं की सोच कुछ भी हो, नरेंद्र मोदी ने साम दाम दंड भेद का इस्तेमाल करके वह हासिल कर लिया, जो पहले के सभी नेता नहीं कर पाए थे। जनसंघ के संस्थापक डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर में दो निशान (जम्मू कश्मीर का अलग झंडा), दो विधान (जम्मू कश्मीर का अलग संविधान) दो प्रधान (जम्मू कश्मीर का अलग प्रधानमंत्री) के खिलाफ अपने प्राणों की बाजी लगाई।

अनुच्छेद 370 हटा कर जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न बनाने का वह लक्ष्य अटल आडवाणी की भाजपा छह साल सत्ता में रहने के बावजूद हासिल नहीं कर सकी थी। लेकिन दुबारा सत्ता में आने के बाद मोदी ने सबसे पहला काम यही किया, अब न वहां दो संविधान हैं, न दो निशान। वजीर-ए-आला का पद तो पहले ही खत्म हो गया था।

नरेंद्र मोदी पर आरोप लगता है कि उन्होंने भाजपा को कांग्रेस बना दिया। लेकिन इसे दूसरे नजरिए से देखिए, उन्होंने बड़ी तादाद में कांग्रेसियों को भाजपा में लाकर यह साबित कर दिया कि कांग्रेस के अनेक जमीनी नेता नीतियों के कारण कांग्रेस के साथ नहीं थे, वे सिर्फ सत्ता की मलाई खाने के लिए कांग्रेस के साथ थे।

भाजपा के विस्तार की कोशिश तो अटल और आडवाणी ने भी की थी, याद कीजिए 1980 में भाजपा का गठन करते समय अटल बिहारी वाजपेयी ने गांधीवादी समाजवाद को पार्टी की विचारधारा बनाया था।

वह जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक सभी कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों की सरकारों में मंत्री रहे मोहम्मदिल करीम छागला और नामी वकील राम जेठमलानी को मुम्बई में पार्टी के स्थापना मंच पर लेकर आए थे।

लाल कृष्ण आडवाणी ने मुसलमानों का दिल जीतने के लिए पाकिस्तान जाकर जिन्ना की तारीफ की थी। लेकिन वे दोनों ही सफल नहीं हुए, क्योंकि हिन्दू ऐसी भाजपा की कल्पना नहीं करते थे, जो सत्ता के लिए सिद्धांतों के साथ समझौता करे। भाजपा के श्रीराम जन्मभूमि आदोलन में कूदने के बाद हिन्दू फिर से भाजपा से जुड़ने लगे थे। लेकिन वाजपेयी और आडवाणी ने सत्ता के लिए एनडीए बनाकर भाजपा के तीनों प्रमुख मुद्दों से समझौता किया।

नरेंद्र मोदी संघ की भट्टी में तपे हुए विचारधारा के पक्के भाजपाई हैं, वह भाजपा को इसलिए सत्ता दिला पाए क्योंकि गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने देश भर के हिन्दुओं का विश्वास जीता था। लेकिन 2014 में मोदी के नेतृत्व में आई हिन्दू क्रान्ति तब तक अधूरी थी, जब तक जम्मू कश्मीर से 370 नहीं हटाया गया।

2014 से 2019 तक मोदी कुछ ज्यादा नहीं कर पाए, भाजपा के तीनों ही मुद्दों पर उन्होंने कोई काम नहीं किया, लेकिन तीन तलाक जैसे मुद्दे पर बिल पास करवा कर उन्होंने एक प्रतिबद्धता दिखा दी कि वह कट्टरपंथी मुस्लिमों के आगे कतई नहीं झुकेंगे।

यह एक संकेत था कि जैसे ही दोनों सदनों में बहुमत मिलेगा, वह भाजपा के तीनों एजेंडों श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर, जम्मू कश्मीर से 370 हटाने और समान नागरिक संहिता का काम पूरा करेंगे।

इसके बावजूद 2019 के चुनाव से पहले भारी तादाद में कांग्रेसी भाजपा से जुड़े, क्योंकि उनकी विचारधारा कुछ नहीं थी, उनकी विचारधारा सिर्फ सत्ता थी। दुबारा सत्ता में आते ही मोदी ने तीन महीने के भीतर जम्मू कश्मीर से 370 को हटाकर जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजली दे दी।

2024 के चुनाव से पहले कांग्रेस में एक बार फिर भगदड़ मची है। भाजपा के सामने पहले से भी बड़ा जनादेश हासिल करके समान नागरिक संहिता का एजेंडा पूरा करना और फिर मथुरा काशी के मंदिर मुक्त करवाना है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कांग्रेस और अन्य दलों के नेता अपनी अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

1996 और 1998 में सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने अपने तीनों मुद्दों से समझौता किया था। अब भाजपा अपने तीनों मुद्दों पर कायम रहते हुए राजनीतिक दलों और राजनीतिक दलों के नेताओं को भाजपा में आने और भाजपा के साथ आने को मजबूर कर रही है।

जम्मू कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस की एमएलसी शहनाज गनई, पंजाब के कांग्रेसी नेता अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़, हरियाणा के अशोक तंवर, हिमाचल में हर्ष महाजन, उत्तराखंड के विजय बहुगुणा और किशोर उपाध्याय, उत्तर प्रदेश के जगदम्बिका पाल और रीता बहुगुणा, मध्यप्रदेश के ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र के अशोक चव्हाण और मिलिंद देवड़ा, आंध्र प्रदेश के किरण कुमार रेड्डी, कर्नाटक के एसएम कृष्णा, इनमें कई कांग्रेस नेता अपने अपने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष या कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष नरसिम्हा राव का पोता एन.वी. सुभाष, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का पोता विभाकर शास्त्री, कांग्रेस के महासचिव रहे ए.के. एंटनी का बेटा अनिल एंटनी, पूर्व कांग्रेस महासचिव जनार्दन द्विवेदी का बेटा समीर द्विवेदी, कांग्रेस के उपाध्यक्ष और दो दो प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और नरसिंह राव के राजनीतिक सलाहकार रहे जितेन्द्र प्रसाद का बेटा जितिन प्रसाद जब भाजपा का दामन थाम लेते हैं, तो क्या यह नहीं दर्शाता कि वे और उनका परिवार विचारधारा के कारण कांग्रेस के साथ जुड़ा हुआ था, या सत्ता के कारण। जब तक नेहरू परिवार उन्हें सत्ता दिला सकता था, तब तक वे कांग्रेस के साथ थे, जैसे ही उन्हें लगा कि अब नरेंद्र मोदी उन्हें सत्ता दिला सकते हैं, तो वे भाजपा में शामिल हो गए।

मिलिंद देवड़ा और अशोक चव्हाण का अगर लोकसभा का टिकट फाईनल हो जाता तो वे कांग्रेस में रहते, कमलनाथ को अगर राज्यसभा का टिकट मिल जाता, तो वह भाजपा में जाने के बारे में सोचते ही नहीं। दलबदल करके भाजपा में शामिल होने वालों का कोई दीन, ईमान और विचारधारा नहीं है। सत्ता में हिस्सेदारी ही उनका लक्ष्य है।

मोदी समर्थकों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कांग्रेस से कौन भाजपा में शामिल हो रहा है, उनका मकसद मोदी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता है। नरेंद्र मोदी हिंदुत्व की विचारधारा से कोई समझौता नहीं कर रहे, हिन्दुओं के लिए यही काफी है। हाँ भाजपा के पुराने कार्यकताओं को तब जरुर तकलीफ होती है, जब नरेंद्र मोदी भाजपा में शामिल होते ही नारायण राणे, अशोक चव्हाण, आरपीएन सिंह, और ज्योतिरादित्य सिंधिया को राज्यसभा में लाकर मंत्री बना देते हैं, जिनके परिवारों के साथ उन्होंने दशकों तक संघर्ष किया, उन्हें रातों रात उनका नेता बना देते हैं।

समाज में यह आम धारणा है कि कांग्रेस या अन्य दलों से भाजपा में शामिल होने वालों को उच्च सदन का सदस्य नहीं बनाना चाहिए, वे चुनाव जीत कर आएं, तभी उन्हें सरकार में शामिल किया जाना चाहिए। वरना लगता है कि मोदी भाजपा को कांग्रेस ही बना रहे हैं, आज वे नेता सत्ता के लिए भाजपा में आए है, कल वे सत्ता के लिए भाजपा छोड़ कर किसी अन्य दल में चले जाएंगे।

अतीत में गुम रास्ता, जहां कभी होता था भारतीय कारोबारियों का राज

यह बात जून 2022 की है। तब स्वेज वाले समुद्री व्यापारिक रास्ते पर कोई कहर नहीं बरपा था। मध्य-पूर्व में सब कुछ हस्बमामूल था, अलबत्ता काला सागर में बम-बारूद बरस रहा था। रूस के काला सागर तटीय पड़ोसियों के लिए भूमध्य सागर के कारोबारी रास्ते तक पहुंच कर एशिया और अफ्रीका की तरफ निकलना बेहद कठिन हो गया था। नए व्यापारिक रास्तों के मानचित्रों पर लाइनें खींची जाने लगी थीं। इस बीच एक कंटेनर रूस के सुदूर उत्तर में सेंट पीटर्सबर्ग से चला, जो बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है। इसका सफर था धुर दक्षिण की ओर। रूस के पश्चिमी हिस्से से दो हजार किलोमीटर की सड़क यात्रा करके यह कंटेनर पहुंचा कैस्पियन सागर के तट पर स्थित अस्त्राखान। यहां से ईरान के अंजाली बंदरगाह आया। ईरान के बीचों-बीच से जाने वाले पर्शियन राजमार्ग से 1,800 किलोमीटर की यात्रा कर यह पहुंचा ओमान की खाड़ी में मौजूद बंदरगाह बंदर अब्बास पर, जहां से इसे मुंबई भेज दिया गया। किसे पता था कि एक साल बाद ही युद्ध और हमलों के तूफान से स्वेज का रास्ता बंद हो जाएगा और इस रास्ते की संभावनाओं को करीब से देखना होगा। इस मल्टीमोडल यानी सड़क, रेल और समुद्री परिवहन वाले ट्रेड कॉरिडोर को रूस और भारत के बीच एक नए व्यापार मार्ग की शुरूआत कहा गया।

मगर क्या सच में यह नया व्यापार मार्ग था या दुनिया के सबसे पुराने व्यापार कॉरिडोर की नई शुरूआत भर थी?

तो आइए, बैठिए टाइम मशीन में, हम आपको सीधे ले चलते हैं अस्त्राखान और फिर बाकू। 16वीं-17वीं सदी के जगमगाते इतिहास वाले ये शहर उसी व्यापार मार्ग पर स्थित थे, जिसे स्वेज के बजाय वैकल्पिक रास्ते के तौर खोला जा रहा है।

अस्त्राखान और बाकू शहरों पर भारतीय कारोबारियों का राज चलता था, जो अपनी ताकत से रूस के जार को प्रभावित करते थे। इस सफर में आप मिलेंगे अस्त्राखान के शाह यानी भारत के ऐसे व्यापारियों से, जिनका रूस से लेकर ईरान तक सिक्का चलता था। बाल्टिक सागर के किनारे सेंट पीटर्सबर्ग से चला यह कंटेनर जिस रास्ते से कैस्पियन सागर के तट पर अस्त्राखान पहुंचा था, वह प्राचीन वोल्गा कैस्पियन मार्ग था, जो उप-मार्गों के जरिये सिल्क रूट से जुड़ जाता था। नौवीं शताब्दी में इसी रास्ते से नॉर्वे के वाइकिंग सिल्क यानी रेशम लेकर अपने देश लौटते थे।

ओस्लो विश्वविद्यालय के अध्ययन बताते हैं कि यह चीनी रेशम कांस्टेनोपल यानी आज के इस्तांबुल से खरीदा जाता था। इस शहर को वाइकिंग मिक्लागार्ड कहते थे। सिल्क रोड को जोड़ने वाले रास्तों से चीन का यह रेशम कांस्टेनोपल आता था।

टाइम मशीन उड़ान भर चुकी है। अब हम 16वीं-17वीं सदी के बाकू में हैं। आज भी यदि कोई चटगांव (बांग्लादेश) से यात्रा शुरू कर हावड़ा के जरिये गंगा-यमुना दोआब में आए, तो आगे अमृतसर के रास्ते पेशावर-काबुल होते हुए बलख और बुखारा तक पहुंच जाएगा। यही रास्ता आगे कैस्पियन सागर के किनारे बाकू तक जाता है, जहां हम मौजूद हैं और यह सोलहवीं सदी है। बाकू में आपको पगड़ी बांधे मुल्तानी और शिकारपुरी व्यापारी मिल जाएंगे, जो आर्मेनियाई सौदागरों से कारोबार कर रहे हैं। आपको यहां साइबेरियाई तातार दिखेंगे, जो भारत के सफेद कॉटन या लिनेन के लिए मुंहमांगी कीमत दे रहे हैं।

और यह क्या? बाकू में आप कुछ देख रहे हैं? एक अनोखी इमारत। यह प्रसिद्ध आतिशगाह है। यह एक मंदिर है, जिसमें आदिग्रंथ (गुरुग्रंथ साहिब) का पाठ, गणेश व देवी की पूजा-अर्चना होती थी।

आगे चलते हैं...अब आप अस्त्राखान में हैं, जहां भारतीय शाह यानी व्यापारियों का जलवा देखते ही बनेगा। मुल्तान के ये व्यापारी रूसी जार तक पहुंच रखते थे। रूसी अभिलेखागार में संरक्षित दस्तावेजों से पता चलता है कि 17वीं सदी में अस्त्राखान में भारत का एक अग्रणी व्यापारी था, जिसका नाम था सुतुर। सुतुर 1620 के दशक में ईरान से अस्त्राखान पहुंचा था। उसके भाई उत्तरी ईरानी शहरों में व्यापार करते थे। सुतुर ने दावा किया कि 1646 में उसके निमंत्रण पर उसके भाई और 25 अन्य भारतीय व्यापारी बहुत से माल के साथ अस्त्राखान पहुंचे और उनमें से कुछ यहीं बस भी गए। सुतुर की पहुंच इतनी ऊंची थी कि उसकी शिकायत पर जार ने व्यापारियों को सताने वाले एक सरकारी अधिकारी को तुरंत पद से हटा दिया। 1647 में सुतुर ने अस्त्राखान में गोस्टनी यानी गेस्ट हाउस बनवाया।

यह एक किस्म का आवासीय बाजार था। गोस्टनी गेट के अंदर रहने वाले अमीर भारतीय व्यापारी परंपरागत पूजन और भोजन पद्धतियों का पालन करते थे। तब यहां 26 बड़े भारतीय व्यापारी रह रहे थे, जो इस्फहान और काजविन से सामान लाकर रूस भेजते थे। सुतुर उस दौर का पहला बहुराष्ट्रीय कारोबारी रहा होगा। उसने मास्को में एक कारोबारी प्रतिष्ठान बनवाया, जहां वह खुद तीन साल तक रहा। ईरानी और रूसी अभिलेखों में मुल्तानी शब्द का उल्लेख है। ये संभवतः खत्री, मारवाड़ी व जैन थे, जिनका मूल निवास मुल्तान था और जहां समृद्ध पुरुषों को शाह कहा जाता था। ये कारोबारी सुदूर स्थानों में अपने एजेंट भी नियुक्त करते थे। 17वीं सदी के बाजार से टहलते हुए आपको पता चलेगा कि इस्फहान में 17वीं सदी के मध्य में दस हजार भारतीय स्थायी रूप से बसे हुए थे। इनका व्यापार तब के अफगानिस्तान के सभी शहरों और कस्बों में फैला हुआ था। 1727 में भारतीय व्यापारियों विषनात नरमलदास (विश्वनाथ निर्मलदास), अरदयाल (हरदयाल) व नारायण चंचामल के रूसी शासन के साथ पत्र-व्यवहार के प्रमाण मिलते हैं। उन्होंने अपने कारोबार के बदले रूसी अधिकारियों से रियायत हासिल की थी।

सुखानंत दिरिमदास (सुखानंद दिरमदास) भी परंपरागत मुल्तानी शाह थे। वह 17 साल की उम्र में मुल्तान से अस्त्राखान आए। 1759 में 60 साल की उम्र में मास्को में उनकी मौत हुई थी। उनकी संपत्ति का मूल्य तीन लाख रूबल था, जबकि उस वक्त एक संपन्न रूसी व्यापारी के पास बमुश्किल 1,000 रूबल की संपत्ति होती थी। बाकू और अस्त्राखान के व्यापारी आपको बताएंगे कि भारतीय व्यापारी सभी तरह के सामान की बिक्री के अलावा पैसे उधार देने, बिल डिस्काउंटिंग और बैंकिंग सेवाएं भी देते थे। अस्त्राखान में रहने वाले भारतीयों की आपूर्ति ईरान और अफगानिस्तान से होती थी और उनका अग्रिम व्यापार नेटवर्क मास्को या निजनिनी नोवोगोरोड में खत्म होता था। तभी तो 1723 में, अनबू राम मुलिन ने जार पीटर महान से प्रार्थना की कि उसे सेंट पीटर्सबर्ग और आर्कएंजेल में व्यापार करने की छूट दी जाए। मुलिन चाहते थे कि उन्हें रूस के रास्ते एक ओर जर्मनी और दूसरी ओर चीन में व्यापार करने का अधिकार मिल जाए।

18वीं सदी के अंत तक रूस के व्यापारी अपने रसूख के इस्तेमाल से भारतीय कारोबारियों को रोकने में लगे थे। इसलिए शायद अनबू राम को जार की मंजूरी नहीं मिली। टाइम मशीन के 21वीं सदी की तरफ बढ़ते हुए 18वीं सदी के मध्य का वह दौर दिखेगा, जब अफगानों के हमले ने ईरान की सफाविद सल्तनत को उखाड़ फेंका। इस्फहान को गिलजाइयों ने लूट लिया।

इस उथल-पुथल से अस्त्राखान में भारतीय व्यापारियों की आपूर्ति शृंखला खत्म हो गई। अगले दो दशकों में, अस्त्राखान में भारतीय आधे रह गए और शताब्दी के अंत तक लगभग खत्म हो गए।

1832 में जब एलेक्जेंडर बर्न्स काबुल आया, तब उसे ऊपरी वोल्गा क्षेत्र के निजनी नोवागोरोड, अस्त्राखान और बुखारा में भारतीय हुंडियों के इस्तेमाल का पता चला था। यह आखिरी बार था, जब हमने अस्त्राखान और रूस के अंदरूनी हिस्सों में पारंपरिक भारतीय व्यापारियों के बारे में सुना। टाइम मशीन अब आज के अस्त्राखान और बाकू के करीब से उड़ान भर रही है। हमें सेंट पीटर्सबर्ग से अस्त्राखान, अंजाली और बंदर अब्बास से मुंबई तक जाता हुआ कंटेनर दिख रहा है। इस रास्ते का नया नाम इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर है।

क्या महर्षि अगस्त्य और वशिष्ठ भाई थे? जानिए क्या कहते हैं धर्मशास्त्र

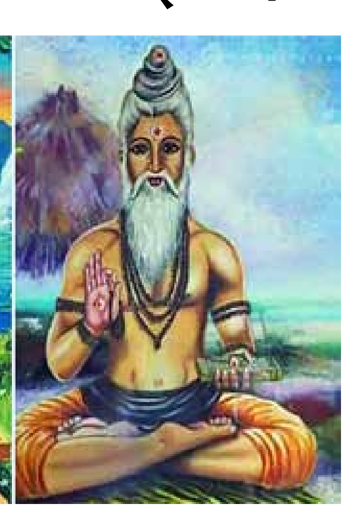

इक्ष्वाकु कुल में एक राजा हुए जिनका नाम था निमि। निमि सिद्ध तपस्वी भी थे। एक बार निमि ने एक यज्ञ कराने के लिए महर्षि वशिष्ठ से सहायता मांगी। संयोग से वशिष्ठ देवराज इंद्र का कोई यज्ञ करवाने जाने वाले थे, इसलिए उन्होंने निमि से कहा कि वह इंद्र के यज्ञ से लौटकर निमि का यज्ञ करवाएंगे। निमि को यज्ञ की जल्दी थी, इसलिए उन्होंने ऋषि गौतम के पुत्र शतानंद को बुलवाकर यज्ञ करवा लिया।

वशिष्ठ जब देवलोक से लौटे, तो उन्हें निमि के यज्ञ की बात याद थी। वह निमि से मिलने गए, लेकिन पता लगा कि निमि उस समय सो रहे थे। काफी देर प्रतीक्षा करने के बाद भी निमि शयन-कक्ष से बाहर नहीं निकले, तो वशिष्ठ को क्रोध आ गया और उन्होंने निमि को शाप देते हुए कहा, निमि! तुमने अभिमानवश मेरा अपमान किया है। मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम्हारी इसी क्षण मृत्यु हो जाए!

राजा होते हुए भी निमि के पास तप की शक्ति थी। उन्हें भी वशिष्ठ पर क्रोध आ गया। वशिष्ठ के शापवश मृत्यु को प्राप्त होने से पहले निमि ने भी उन्हें शाप दिया : महर्षि! मैं सो रहा था, इसलिए आपसे मिलने में विलंब हुआ। मैं निर्दोष हूं, फिर भी आपने मुझे शाप दिया। इसलिए मैं भी आपको शाप देता हूं कि मेरी मृत्यु के तुरंत बाद आपकी भी मृत्यु हो जाएगी! वशिष्ठ को शाप देने के बाद निमि की मृत्यु हो गई। और कुछ देर के बाद ही निमि के शाप के प्रभाव से वशिष्ठ ने भी अपने शरीर का त्याग किया। ब्रह्मलोक पहुंचकर वशिष्ठ ने ब्रह्मा को पूरी घटना सुनाई, तो ब्रह्मा ने वशिष्ठ से कहा : ऋषिवर! निमि के शापवश आपकी असमय मृत्यु हुई, परंतु आपको महर्षि अगस्त्य के साथ मिलकर पृथ्वीलोक पर अनेक महत्वपूर्ण कार्य करने हैं। अतः आपका पुनर्जन्म होगा।

परंतु वशिष्ठ को चिंता थी कि नारी के गर्भ से जन्म लेने पर पूर्वजन्म में अर्जित समस्त ज्ञान विस्मृत हो जाएगा और उनकी आध्यात्मिक शक्तियां भी लुप्त हो जाएंगी। तब ब्रह्मा ने वशिष्ठ को आश्वासन देते हुए कहा : महर्षि! आप चिंता न करें। मैं वचन देता हूं कि आपका जन्म नारी के गर्भ से नहीं होगा। मैं आपके और महर्षि अगस्त्य के जन्म का विशेष प्रबंध कर रहा हूं।

इस बीच, कश्यप और अदिति के बारह आदित्य-पुत्रों में से दोझमित्र और वरुणझ ध्यान में लीन बैठे थे। तभी वहां से ब्रह्मा की प्रेरणा से उर्वशी नामक अप्सरा टहलती हुई निकली, जिसे देखकर मित्र-वरुण मुग्ध हो गए। उर्वशी का सौंदर्य इतना विलक्षण और अप्रतिम था कि मित्र स्वयं को रोक नहीं पाया और वह उर्वशी के पास प्रेम-प्रस्ताव लेकर पहुंच गया। परंतु उर्वशी को मित्र की अपेक्षा वरुण अधिक पसंद था, इसलिए उसने मित्र का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। परंतु इतनी देर में मित्र की उत्तेजना अपने चरम पर पहुंच चुकी थी और उसका तेजस स्खलित होकर नीचे रखे एक कुंभ (घड़े) में जा गिरा। योजना भगवान ब्रह्मा की बनाई हुई थी, इसलिए उसमें चूक की कोई भी संभावना नहीं थी।

इधर अप्सरा उर्वशी, वरुण के पास चली गई। परंतु वरुण की निष्ठा मित्र के साथ थी। वरुण ने उर्वशी का प्रेम-प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। परंतु भीतर से वरुण पर भी काम हावी हो चुका था और वह भी अपने ऊपर संयम नहीं रख सका। इसके फलस्वरूप, वरुण का तेजस भी स्खलित हो गया और उसी कुंभ में गिरा, जिसमें मित्र का तेजस गिरा था।

कुछ समय पश्चात, कुंभ में से एक तेजस्वी बालक ने जन्म लिया। कुंभ से पैदा होने के कारण उसका नाम पड़ाझकुंभ संभव। यही बालक आगे चलकर महर्षि अगस्त्य के नाम से विख्यात हुआ! इसके कुछ ही समय बाद, उसी कुंभ से एक और ओजस्वी बालक ने जन्म लिया। कुंभ में मित्र और वरुण दोनों का तेजस था इसलिए दूसरे बालक का नाम पड़ा झ मैत्रावरुणि। यह बालक बड़ा होकर वशिष्ठ बना!

चूंकि कुंभ संभव (अगस्त्य) और मैत्रावरुणि (वशिष्ठ), दोनों का जन्म एक ही कुंभ से हुआ, इसलिए दोनों भाई माने जाते हैं और उनमें भी अगस्त्य बड़े भाई हैं। वशिष्ठ और अगस्त्य, दोनों को गर्भ में नहीं रहना पड़ा, इसलिए दोनों का पूर्वजन्मों का ज्ञान भी अक्षुण्ण रहा। इसी कारण उन्हें शिक्षा के लिए किसी गुरु की आवश्यकता नहीं पड़ी।

जदयू के विधायक ने एसपी और डीजीपी को बताया भ्रष्ट; कहा- एसपी को हटायें सीएम वर्ना दे दूंगा इस्तीफा

भागलपुर। जदयू के बड़बोले विधायक गोपाल मंडल अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। इसी क्रम में उन्होंने आज एक बार फिर अपने ही सरकार के तंत्र पर सवाल उठा दिया। साथ ही उन्होंने अपनी पार्टी के मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चेतावनी देते हुए कहा कि आप नवगछिया के एसपी को तत्काल हटायें वरना मैं पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा। वह इतने पर ही नहीं रुके बल्कि नवगछिया एसपी को गाली का शब्द प्रयोग करते हुए कई आपत्तिजनक बातें भी कही। फिर उन्होंने कहा कि नवगछिया के एसपी से लेकर डीजीपी तक भ्रष्ट हैं।

एसपी पर लगाये गंभीर आरोप

जदयू विधायक गोपाल मंडल ने नवगछिया एसपी पूरण झा पर कई गंभीर आरोप लगाए। गोपाल मंडल ने नवगछिया एसपी पर न सिर्फ शराब पीने का आरोप लगाया बल्कि कई ऐसे आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किए हैं जिन्हें अमर उजाला लिख नहीं सकता है। गोपाल मंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह अगर नवगछिया एसपी पुरण झा को तत्काल यहां से नहीं हटाया तो वह अपने पद से और राजनीतिक दल दोनों से इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी इस एसपी को यहां से भगाइए नहीं तो मेरा रिजाइन लीजिए।

एसपी से लेकर डीजीपी तक सभी भ्रष्टाचार में हैं लिप्त

गोपाल मंडल ने आरोप लगाते हुए कहा कि महिला के गुम होने के बाद परिजन रंगडा थाना में आवेदन देने के लिए पहुंचे, लेकिन दरोगा ने आवेदन नहीं लिया। अगर थानाध्यक्ष आवेदन ले लेता तो ऐसा नहीं होता। इतना ही नहीं पुलिस आवेदक के घर पर एक बार भी पूछताछ करने नहीं गई। उन्होंने कहा कि चाहे हमारी सरकार हो या हमारे सरकार का पुलिस तंत्र, सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने थाना के दरोगा पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनको बात करने की तमीज नहीं है। गोपाल मंडल ने कहा कि हमारा डीजीपी भट्ठी फेल है। उन्होंने कहा कि भट्ठी को इसलिए लाया गया था ताकि वह पुलिस पर नकेल कस सकें। उन्होंने कहा कि सारा का सारा दोष उस डीजीपी का है जो बिहार के पुलिस को कण्ट्रोल नहीं करता है। गोपाल मंडल ने कहा कि पुलिस तंत्र के साथ साथ डीजीपी पूरी तरह फेल हैं।

आर-पार के मूड में आदिवासी संगठन ITLF, कार्य बहिष्कार का आह्वान; गृह विभाग ने चेताया- वेतन काटेगी सरकार

इंफाल। मणिपुर के एक आदिवासी संगठन ने चुराचंदपुर जिले में पुलिसकर्मी के निलंबन से नाराज होकर सरकारी कर्मचारियों से सोमवार से काम पर न जाने का आग्रह किया है।

बता दें कि निलंबित पुलिसकर्मी कथित तौर पर एक वीडियो में हथियारबंद लोगों के साथ देखा गया था।

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के इस कदम के चलते राज्य के गृह विभाग ने एक आदेश कर दिया।

इसमें कहा गया है कि अगर किसी कर्मचारी ने अनधिकृत छुट्टियां लीं तो उसका वेतन काट दिया जाएगा।

आईटीएलएफ की मांग है कि हेड कांस्टेबल सियामलालपॉल के निलंबन को रद्द किया जाए। साथ ही पुलिस अधीक्षक शिवानंद सुर्वे और उपायुक्त धरुण कुमार को तत्काल बदला जाए।

सार सुर्खिया

पीएम मोदी की BJP शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक, बोले- विकसित भारत के लिए हम प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में दो दिवसीय भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन का आज समापन हुआ। इस दौरान देशभर से बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकताओं ने भाग लिया। पीएम मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जीत का मंत्र पार्टी कार्यकताओं को दिया। अधिवेशन में भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की। जिसके बाद भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम मोदी ने बैठक की।

भाजपा शासित राज्यों को सीएम के साथ व्यापक चर्चा-पीएम

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउण्ट एक्स पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ एक व्यापक बैठक की। इस दौरान राज्यों के विकास पथ को ज्यादा मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा कई गई, ताकि एक विकसित भारत में हम विकास के दोहरे इंजन का लाभ उठा सकें।

अगले पांच साल भारत के लिए महत्वपूर्ण- पीएम

इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगले पांच साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इस दौरान बहुत काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा की मजबूती के साथ केंद्र में वापसी आवश्यक है। उनके पास देश को मजबूत करने का लक्ष्य है। यदि वे अपने घर की चिंता करने लगते तो आज देश के करोड़ों गरीबों का घर न बना पाते। तीसरे कार्यकाल में वे देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की बात करते हैं, लेकिन विपक्षी दल देश को विकसित राष्ट्र बनाने का वादा भी करने की हिम्मत नहीं दिखा पाते।

पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और बारिश की संभावना, दिल्ली-एनसीआर भी भीगेगा, अलर्ट जारी

नई दिल्ली। आखिरकार उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होना शुरू हो गया। नतीजतन हिमालय रीजन के ऊपरी हिस्से में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार की देर रात से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी इलाकों में तेज बर्फबारी शुरू हो जाएगी। बदले हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने इन राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मैदानी इलाकों में मौसम विभाग की ओर से यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिन लगातार पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश समेत आंधी तूफान और ओलावृष्टि हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस दौरान मैदानी इलाकों में तापमान में बहुत कमी नहीं होगी। वहीं पहाड़ी इलाकों में जबर्दस्त बारिश की आशंका के चलते लोगों को बचाव के बारे में भी ताकीद किया गया है।

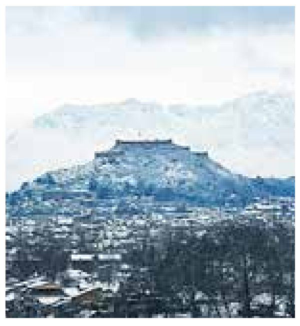

विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक हिमाचलयन रीजन में बर्फबारी और बारिश रविवार की सुबह से अलग-अलग इलाकों में शुरू हो चुकी है। जो अब अगले कुछ दिनों तक आगे होती रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के बारामूला, बांदीपोर, गांदरबल, श्रीनगर, रामबाग, पहलगाम, सोफिया, राजपुरा मंडी, राजौरी, गोविंदपुरा और जम्मू जैसे इलाकों में कहीं-कहीं पर बारिश हुई है। जबकि हिमालयन रीजन के कुछ अन्य इलाकों में भी बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है।

SC: संदेशखाली मामले से जुड़ी याचिका पर सोमवार को सुनवाई, NCP को लेकर शरद पवार की याचिका भी सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली गांव में महिलाओं के कथित उत्पीड़न को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। याचिका में मामले की जांच और उसके बाद सुनवाई पश्चिम बंगाल से बाहर कराने की मांग की गई है। वकील आलोक अलख श्रीवास्तव की तरफ से दायर याचिका में संदेशखाली के पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग की गई है। साथ ही अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से न निभाने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया है। याचिका पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ सुनवाई करेगी।

यह याचिका वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने दायर की है, जिन्होंने संदेशखली गांव में रहने वाली महिलाओं के साथ दुष्कर्म की जांच

और उसके बाद के मुकदमे को पश्चिम बंगाल के बाहर स्थानांतरित करने की मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

वकील अलख आलोक श्रीवास्तव द्वारा दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो या विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच की भी मांग की गई है। पश्चिम बंगाल का संदेशखाली बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में है। टीएमसी नेता शाहजहां शेख पर गांव की महिलाओं द्वारा दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है, जिसके बाद से विपक्षी दल ममता सरकार के खिलाफ आक्रामक हो गए हैं। इस बीच, बशीरहाट सबडिवीजन कोर्ट ने संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिलाओं के उत्पीड़न मामले के मुख्य आरोपियों में से एक शिबू हाजरा को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। तृणमूल कांग्रेस नेता शिबू हाजरा को एक दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

मुख्य आरोपियों में शामिल शाहजहां शेख अब भी फरार

संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक आरोपी को शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। हालांकि मुख्य आरोपियों में शामिल शाहजहां शेख अब भी फरार है।

इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या अब 18 हो चुकी है। बता दें कि पुलिस ने उत्तम सरदार और शिबप्रसाद (शिबू) हाजरा के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के प्रयास की दो धाराएं जोड़ी हैं।

तीन केंद्रीय मंत्री, पंजाब सीएम मान व किसान नेताओं के बीच चौथे दौर की बैठक जारी

चंडीगढ़। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी व कर्जमाफी समेत 12 मांगों को लेकर दिल्ली कूच पर अड़े पंजाब के किसान संगठन शनिवार को पांचवें दिन भी शंभू और दातासिंह वाला सीमा पर डटे रहे। आज चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच चौथे दौर की बातचीत होगी। यहां पढ़ें किसान आंदोलन से जुड़े सभी अपडेट...

किसानों के विरोध पर कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि पिछली बार किसानों को एमएसपी के बारे में आश्वासन दिया गया था, अब वे बेचैन हैं क्योंकि चुनाव आ रहा है और कोई गारंटी नहीं दी गई है और उन पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है।

बाकी भी चीजें महंगी हो रही है। फसलों के दाम नहीं मिल पा रहे हैं, यही कारण है कि वे विरोध कर रहे हैं...सरकार को इसका समाधान खोजना चाहिए।

केंद्रीय मंत्रियों से चौथे दौर की बैठक के लिए किसान नेता पहुंचे

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर सहित किसान नेता केंद्रीय मंत्रियों के साथ चौथे दौर की बैठक करने के लिए सेक्टर 26 स्थित मगसीपा भवन पहुंच गए हैं। लेकिन पता चला है कि अभी तक तीनों केंद्रीय मंत्री दिल्ली के रवाना नहीं हुए है। इस बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री के हिस्सा लेने की भी संभावना है, जिसके चलते पूरे परिसर में सुरक्षा बढ़ाई गई है। यह बैठक रविवार शाम 6 बजे से बुलाई गई थी।

अपनी मांगों के समर्थन में दिल्ली कूच पर अड़े पंजाब के किसान संगठनों को मनाने और उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए किसान नेताओं और केंद्रीय मंत्री- पीयूष गोयल, अर्जुन मूंडा और नित्यानंद राय के बीच अब तक 8, 12 और 15 फरवरी को तीन दौर की बैठक हो चुकी है, जिनमें कोई नतीजा नहीं निकल सका है।

आम चुनाव के बाद महंगाई ने तोड़ी जनता की कमर, एलपीजी के दामों में बढ़ोतरी से लोग बेहाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में नई सरकार बनने से पहले महंगाई ने हाहाकार मचाना शुरू कर दिया है। देश की कार्यवाहक सरकार ने फिर पेट्रोल-डीजल के साथ ही घरेलू रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी की है। आम लोगों की महंगाई से कमर टूट गई है। दामों में बढ़ोतरी का देशव्यापी असर देखने को मिल रहा है। रविवार कराची में कई लोगों ने सरकार के फैसले का विरोध किया। उन्होंने बताया कि कैसे वह लगातार खराब होती अर्थव्यवस्था से पीड़ित हैं।

कराची में ढाबा चलाने वाले इरफान नाम के व्यक्ति ने कहा, कीमतों में बढ़ोतरी अब एक मजाक बन गया है। हम पीड़ित हैं। अब तो सरकार भी विफल होती दिख रही है। हम शिकायत करते-करते थक चुके हैं। हम गैस के बिल का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। मेरा खुद का बिल चार लाख रुपये (पीकेआर) आया है। लेकिन, मेरी इतनी आय नहीं है। गैस की कीमतें बढ़ने के बाद लोग अपनी जरूरी खाने-पीने की चीजों में कटौती कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि इसको लेकर प्रशासन क्या कदम उठा रहा है।

इरफान ने पास के एक गैस सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहा, ₹मुझे बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। इस सिलेंडर की कीमत 12,500 रुपये (पीकेआर) है। हम इन सिलेंडर की लागत का भुगतान किश्तों में करते हैं। हम रोजाना एक हजार रुपये देते हैं। आप देख सकते हैं कि सभी टेबल खाली हैं, क्योंकि मेरे पास गैस नहीं है। मेरी ज्यादा आय नहीं है। हम अपने व्यवसाय को चलाने के लिए जो सिलेंडर खरीदते हैं, वह शुद्ध गुणवत्ता का नहीं होता है। इसमें पानी मिलाया जाता है।₹

दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने वाले आबिद ने कहा, ₹मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि हमें कुछ राहत दे। दुकानदार पीड़ित हैं। हम भी परेशान हैं। अन्य चीजों की कीमतें भी बढ़ रही हैं। हमें दूध, चीनी, गेहूं और आा जैसी जरूरी सामग्री खरीदनी पडती है। हमारे कमरे का किराया भी बहुत अधिका है। मैं यहां (कराची) सिंध के स्कंद से अपने परिवार के लिए कमाने के लिए आया हूं। मैं पूरे दिन की मेहनत के बाद केवल नौ सौ पाकिस्तान रुपये कमा पाता हूं। महीने के अंतर में मेरा किराया 7,500 रुपये है। मेरे पास कुछ भी नहीं बचता।

आबिद ने कहा, पिछले महीने से मैं लकड़ी जलाकर अपना खाना पका रहा हूं।

मैंने कम से कम तीन घर बदले हैं, क्योंकि घर के मालिक मुझे लकड़ी से खाना बनाने की अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन मैं कर भी क्या सकता हूं? मैं गैस नहीं खरीद सकता क्योंकि यह करीब 300 रुपये प्रति किलोग्राम है। मुझे बताओ कि मैं क्या कर सकता हूं।₹

एक अन्य मजदूर जान मुहम्मद ने बताया कि वह अपने बच्चों की शिक्षा का खर्च नहीं उठा पा रहा है और मुश्किल से वह अपने परिवार की अन्य जरूरतों को पूरा कर रहा है। मुहम्मद ने सरकार से कुछ राहत देने का अनुरोध किया। कराची के एक अन्य नागरिक मुहम्मद इमरान जिया ने कहा, लोग सिर्फ गैसे के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन सभी घरेलू सामानों की कीमतें बढ़ा दी गई हैं।

'विकसित राष्ट्र बनने के लिए बीजेपी की मजबूत वापसी जरूरी', पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगले पांच साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इस दौरान बहुत काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा की मजबूती के साथ केंद्र में वापसी आवश्यक है।

उनके पास देश को मजबूत करने का लक्ष्य है। यदि वे अपने घर की चिंता करने लगते तो आज देश के करोड़ों गरीबों का घर न बना पाते।

तीसरे कार्यकाल में वे देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की बात करते हैं, लेकिन विपक्षी

दल देश को विकसित राष्ट्र बनाने का वादा भी करने की हिम्मत नहीं दिखा पाते। दिल्ली के भारत मण्डपम में 18 फरवरी को बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने वो काम किए हैं, जिसकी प्रतीक्षा कई सदियों और वर्षों से की जा रही थी।

राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज सम्भव हुआ है।

राहुल गांधी बोले : पेपर लीक आपके प्रधानमंत्री ने कराया है, छात्रसंघ किया खत्म, यह आपको रोकने का तरीका

प्रयागराज। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान प्रयागराज में राहुल गांधी ने पिछड़ों और अनुसूचित जाति के लोगों के साथ युवाओं को भी साधा। उन्होंने कहा- आपके प्रधानमंत्री ने पेपर लीक कराया है। छात्रसंघ भी खत्म कर दिया गया है। यह सब आपको रोकने का तरीका है।

स्वराज भवन से कर्नलगंज, कटरा होते हुए यात्रा लक्ष्मी टॉकीज पहुंची। वहां बड़ी संख्या में युवा आरओ-एआरओ पेपर लीक, लोक सेवा आयोग की तानाशाही आदि से संबंधित तख्ती लिए हुए थे। लक्ष्मी टॉकीज पर

संबोधन से पहले राहुल पेपर लीक से प्रभावित युवक को भारत जोड़ो यात्रा के वाहन पर बुलाया। उसके नाम जाति आदि के बारे में जानकारी ली। अंकित नामक युवक ने बताया कि वह ओबीसी वर्ग से है।

सवाल जवाब के साथ ही राहुल गांधी का संबोधन हुआ। राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक आपके साथ अन्याय है। यह सब आपके प्रधानमंत्री करा रहे हैं। संगम की नगरी में आप पर अत्याचार किया जा रहा है। राहुल गांधी ने युवाओं से कहा, आप डरो नहीं, हाथ उठाओ। पेपर लीक होने का मुद्दा मैं उठाऊंगा।

ओबीसी-एससी के साथ हो रहा अन्याय

राहुल ने कहा कि ओबीसी, अनुसूचित जाति और आदिवासियों की आबादी 75 प्रतिशत है लेकिन आपके साथ अन्याय हो रहा है।

इंडिया के दरवाजे बसपा के लिए नहीं हुए बंद, सपा संग सीट बंटवारे पर होगा समझौता

प्रयागराज। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और यूपी के प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि बसपा के लिए इंडिया गठबंधन के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। यह मायावती को तय करना है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में वह भाजपा के खिलाफ एकजुट दलों के साथ आना चाहती हैं कि नहीं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने आए अविनाश पांडेय ने पीटीआई से बातचीत के दौरान कहीं।

कांग्रेस महासचिव ने मायावती ने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी अकेले दम पर लोकसभा चुनाव में उतरेगी, लेकिन इंडिया गठबंधन चाहता है कि वह गठबंधन में शामिल होकर चुनाव में उतरें। कहा कि कांग्रेस पूरे दिल से समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है। पूरा विश्वास है कि यूपी में लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे पर समझौता हो जाएगा। जो कुछ मतभेद हैं उसे शीघ्र ही दूर कर लिया जाएगा।

महासचिव ने कहा कि यूपी के कुछ छोटे दलों से भी गठबंधन में शामिल होने के लिए बातचीत किया जा रहा है। इसमें से कुछ बिना शर्त शामिल हो रहे हैं और कुछ को कुछ उम्मीदें हैं और इसलिए थोड़ा समय लग रहा है, लेकिन इस महीने के अंत तक सब कुछ सुलझा लिया जाएगा।

जयंत चौधरी का कदम दुर्भाग्यपूर्ण

कांग्रेस महासचिव ने जयंत चौधरी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही विश्वास जताया कि इस महीने के अंत में यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी गुजरेगी, जिससे विपक्षी गुट एकजुट हो जाएगा। वहां से लोगों का समर्थन मिल रहा है।

रालोद के बाहर निकलने के बाद सीटों का निर्धारण नए सिरे से करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अब तक हमने जो भी चर्चा की है, निश्चित रूप से अब पूरी चीज को फिर से व्यवस्थित करने के लिए कुछ बदलाव होंगे और इसीलिए इसमें कुछ समय लग रहा है, लेकिन बहुत जल्द हम संयुक्त रूप से उम्मीदवारों की सूची लेकर आएंगे।

सोनिया गांधी पार्टी की स्तंभ

अविनाश पांडेय ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी की मजबूत स्तंभ हैं। जैसा कि आपने उनका पत्र पढ़ा होगा, जिसमें उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि यूपी, रायबरेली और अमेठी उनसे अलग नहीं है। वह परिवार के मुखिया के रूप में समर्थन करना जारी रखेंगी। वह लोगों को उसी तरह का मार्गदर्शन देंगी। उन्हें लगता है कि रायबरेली उनका घर है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़े। अगर प्रियंका गांधी वहां से चुनाव लड़ती है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन प्रियंका-राहुल कहां से चुनाव लड़ेंगे, इसका निर्णय उन्हें ही लेना है। लोगों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए ही राहुल और प्रियंका को कोई निर्णय लेना चाहिए। हमे विश्वास है कि वह उचित निर्णय लेंगे।

अखिलेश यादव ने यात्रा का किया है समर्थन

कांग्रेस नेता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने सार्वजनिक और व्यक्तिगत बातचीत में भी उत्तर प्रदेश में यात्रा का स्वागत किया है और संभवतः अमेठी-रायबरेली की बैठकों में भी वह इसमें शामिल भी हो सकते हैं। सपा के साथ अभी सीटों के बंटवारे को लेकर कोई समझौता और बातचीत नहीं हुई है।

हालांकि जो भी मतभेद हैं उन्हें दूर कर लिया जाएगा। यूपी में इंडिया गठबंधन भाजपा के प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर देगा। चाहे वह कांग्रेस का उम्मीदवार हो या समाजवादी या कोई भी जो इंडिया गठबंधन की ओर से चुनाव लड़ेगा, हम उस उम्मीदवार का पूरे दिल से समर्थन करेंगे और भाजपा की हार सुनिश्चित करेंगे।

अचानक बरेली पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, सर्किट हाउस में करेंगे रात्रि विश्राम; जानें दौरे की वजह

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार रात बरेली पहुंचे। वह सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। सोमवार सुबह आठ बजे संभल जिले के लिए हेलीकाप्टर से रवाना होंगे। संभल जिले के एंचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि धाम के भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी करेंगे।

वहां से सुबह 11 बजे वापस के त्रिशूल एयरपोर्ट पर आएंगे। पांच मिनट का चेंजओवर होगा और वायुयान से लखनऊ चले जाएंगे।

मुख्यमंत्री के आने से पहले बरेली में आदिनाथ चौक के लोकार्पण का की तैयारी स्मार्ट सिटी के अधिकारियों और महापौर ने की थी लेकिन मुख्यमंत्री शाम 8.15 बजे त्रिशूल एअरपोर्ट पर आए पर, कहीं किसी कार्यक्रम या लोकार्पण के लिए नहीं रुके।

वह एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हाउस पहुंचे।

वहां महापौर उमेश गौतम ने उनसे कुतुबखाना पुल को महादेव पुल का नाम देने के साथ लोकार्पण करने, नाथ महोत्सव में मुख्य अतिथि बनने के लिए आग्रह किया।

मुख्यमंत्री की ओर से संकेत मिले कि अगर 28 फरवरी से पहले पुल बन जाता है और आचार संहिता नहीं लगती है तो वह आएंगे।

डमरू का लोकार्पण टला

रविवार सुबह से ही सीएम योगी के बरेली आने व आदिनाथ तिराहे पर डमरू का लोकार्पण करने की सूचना पर पुलिस तैनात रही। रात में सीएम के सर्किट हाउस जाने के बाद पुलिस को वहां से हटाया गया।

नाथ नगरी सर्किट के तहत डेलापीर तिराहे को आदिनाथ चौराहे का नाम देकर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। यहां भगवान शिव के डमरू के प्रतीक को विशालकाय रूप में लगाया गया है।

हालांकि तमाम काम अभी अधूरे हैं। रविवार सुबह से ही बरेली में सीएम के आने और डमरू के प्रतीक का लोकार्पण करने की सूचना थी। प्रशासन से मिले इनपुट के बाद पुलिस विभाग ने इसके लिए भारी भरकम तैयारी की।

एयरफोर्स स्टेशन से लेकर डमरू के आसपास तक सभी इलाकों में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमें बनाकर लगा दी गईं।

एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा को आदिनाथ चौराहे का सुरक्षा प्रभारी बनाया गया था। यहां कई इंस्पेक्टर व पुलिस लगी थी। रात में जब सीएम सर्किट हाउस पहुंच गए और ये तय हो गया कि वह इधर नहीं आएंगे तो अधिकारी और फोर्स को मौके से हटाया गया।

अखिलेश यादव बोले, निवेश के नाम पर छलावा कर रही सरकार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने निवेश के नाम पर अभी तक जनता के साथ छलावा किया है। दस साल में भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर बड़े-बड़े आयोजन कर जनता की आंख में धूल झोंक रही है।

इस सरकार में अभी तक कोई निवेश जमीन पर नहीं दिखाई दिया है। जनता की कमाई इन बड़े आयोजनों में लुटाने के बावजूद किसी भी जिले में कोई बड़ी फैक्ट्री या उद्योग नहीं लगा, जिसमें नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला हो।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दावे हमेशा झूठे रहे।

सरकार की कथनी और करनी में भारी अंतर है। अपने पहले कार्यकाल में निवेश सम्मेलन और शिलान्यास समारोह पर खूब रुपये लुटाए, लेकिन नतीजा शून्य निकला।

दूसरे कार्यकाल में भी 40 लाख करोड़ के एमओयू होने का दावा किया।

चुनाव करीब देखकर अब शिलान्यास समारोह का फिर दिखावा किया जा रहा है। केवल चमक-दमक और दिखावा करने से निवेश नहीं आता है। इसके लिए ठोस और स्पष्ट नीति जरूरी है। जिसका भाजपा सरकार में अभाव है। जनता भाजपा की इन चालों को समझती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय सहित यूपी के छह विश्वविद्यालयों को मिले 100-100 करोड़

लखनऊ। केंद्र सरकार की योजना प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के तहत उत्तर प्रदेश को देश में सर्वाधिक अनुदान मिला है। विभिन्न मदों में लगभग 740 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं।

इसके तहत जहां राजधानी के लविवि समेत छह विवि को 100-100 करोड़ मिला है, वहीं छह अन्य को 20-20 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं। इस अनुदान से विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता बढ़ाने, जर्जर हो चुके पुराने भवनों के सुंदरीकरण, लैब सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

इस योजना के तहत प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ को 100-100 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह विश्वविद्यालयों के सुंदरीकरण के अंतर्गत प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी को 20-20 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर को 19.99 करोड़, प्रो राजेन्द्र सिंह (रज्जू भईया) विश्वविद्यालय प्रयागराज को 19.99 करोड़, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया को 13.38 करोड़ और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु को 6.53 करोड़ स्वीकृत हुआ है।

घंटों लाइन में लगे... भीड़ का दबाव और धक्का-मुक्की भी झेला; तब हुए बांकेबिहारी के दर्शन

मथुरा। तीर्थनगरी मथुरा के वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार को लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दर्शन किए। दिल्ली एनसीआर और आसपास से सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ के दबाव और धक्का-मुक्की के बीच भक्तों ने आराध्य के दर्शन किए। दर्शनों के लिए लंबी कतार के कारण श्रद्धालुओं को करीब दो घंटे धैर्य की परीक्षा भी देनी पड़ी।

सप्ताहांत रविवार को सुबह मंदिर के पट खुलने से पहले मंदिर के प्रवेश द्वारों से लेकर विद्यापीठ चौराहा और दूसरी तरफ परिक्रमा मार्ग जुगलघाट तक लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालु पहले दर्शन करने के प्रयास में मंदिर के पट खुलने से दो घंटे पहले ही पहुंच गए। धीरे-धीरे श्रद्धालु जमा हो गए और उनकी कतार लंबी होती रही। पट खुलने पर लगभग दो घंटे लाइन लगने और भीड़ के दबाव के बीच धक्के खाते हुए श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और दर्शन किए।

पट बंद होने तक बनी रही भीड़

दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान के श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में आए। दोपहर को मंदिर के पट बंद होने तक भीड़ निरंतर बनी रही। मंदिर का चौक खचाखच श्रद्धालुओं से भरा रहा। उधर, शाम की बेला में भी मंदिर और उसकी संकरी गलियों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

मंदिर के शयन आरती तक दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन किए। मंदिर के सह प्रबंधक उमेश सारस्वत ने बताया कि रविवार को बड़ी संख्या में ठाकुरजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं सुबह से पट बंद होने तक आए।

सार सुर्खिया

बाइक में ट्रैक्टर में मारी टक्कर, हादसे में पत्नी की मौत, बाप-बेटी घायल

अलीगढ़। जनपद हाथरस के सिकंदराराऊ में अलीगढ़ की बाइक सवार दंपती को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई। पति व बेटी घायल हो गए। वह अलीगढ़ से एटा जा रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

बन्नादेवी क्षेत्र के रामनगर निवासी जितेंद्र अपनी पत्नी रिचा (22) व एक वर्षीय बेटी के साथ बाइक से एटा जा रहे थे। रास्ते में सिकंदराराऊ के पास उन्हें ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में रिचा गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए उन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां उनकी मौत हो गई।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने किया उद्घाटन, बोले- ताज विश्व की धरोहर, देश-दुनिया के लिए पवित्र स्थल

आगरा उत्तर प्रदेश के आगरा में ताज महोत्सव 2024 का उद्घाटन शिल्पग्राम में रविवार को हुआ। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने फीता काट कर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह

ने कहा कि ताज विश्व धरोहर के रूप में ख्याति प्राप्त है। देश-दुनिया के इस पवित्र स्थल पर मैं सभी का स्वागत करता हूं।

उद्घाटन के बाद पर्यटन मंत्री ने कहा कि मथुरा, वृंदावन, गोकुल, आगरा से बटेश्वर को जलमार्ग से जोड़ा जाएगा। उन्होंने ताज महोत्सव को आगरा महोत्सव कह कर संबोधित किया। मुक्ताकाशीय मंच से पर्यटन मंत्री ने कहा 2022 में 3 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आए। सरकार ईको पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विकास कार्य करा रही है।

27 फरवरी तक चलेगा ताज महोत्सव

27 फरवरी तक चलने वाले ताज महोत्सव के उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का स्वागत किया। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने कहा ताज महोत्सव में 50 से अधिक जिलों के उत्पादों की प्रदर्शनी है। शिल्प व कला के इस महोत्सव को इस बार विकसित भारत और संस्कृति व समृद्धि की थीम पर आयोजित किया जा रहा है।

पुलिस भर्ती परीक्षाः एडीजी आगरा जोन ने किया केंद्रों का औचक निरीक्षण, सीसीटीवी कैमरों को किया चेक

हाथरस। अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन, जिलाधिकारी और एसपी ने 18 फरवरी को हाथरस जिले में पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा के केंद्रों का निरीक्षण किया। अलीगढ़ रोड स्थित बीएलएस इंटर नेशनल स्कूल व सेंट फ्रांसिस इंटर कालेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा का जायजा लिया। एडीजी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था व ड्यूटी में लगे अधिकारी और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ, जिलाधिकारी अर्चना वर्मा के साथ एसपी निपुण अग्रवाल अलीगढ़ रोड स्थित सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज व बीएलएस इंटर नेशनल स्कूल परीक्षा केंद्र पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस बल को चेक किया। आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि परीक्षा केंद्र के आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को न आने दिया जाए। परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया।

भाजपा की विपक्ष को कमजोर करने की तैयारी, विधानसभा स्तर तक होंगे ज्वाइनिंग के बड़े कार्यक्रम

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की ओर से विपक्षी दलों में चलाए जा रहे सेंधमारी के अभियान में पार्टी अब सपा, कांग्रेस और बसपा की जमीन कमजोर करने तैयारी में जुटी है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना से पहले सपा के कुछ विधायक, बसपा के सांसद और विपक्षी दलों के पदाधिकारियों को भाजपा में शामिल होंगे। भाजपा ने विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विपक्षी दलों के बूथ, वार्ड, मंडल, सेक्टर स्तर के एक से दो हजार कार्यकताओं को पार्टी में शामिल कराने की तैयारी की है। पार्टी की रणनीति है कि विपक्षी पार्टियों का बूथ स्तर पर बस्ता उठाने वाला भी न बचे।

पार्टी के एक उच्चपदस्थ पदाधिकारी का कहना है कि राज्यसभा चुनाव में आठवां प्रत्याशी उतारना सामान्य नहीं हैं। पार्टी ने सोची समझी रणनीति के तहत यह कदम उठाया है। पार्टी ने लोस चुनाव से पहले सपा में सेंधमारी की रणनीति के तहत यह प्रयोग किया है। चुनाव में सपा के कुछ विधायक भाजपा के प्रत्याशी को मतदान करेंगे।

सपा के कुछ विधायकों और बसपा के एक-दो सांसदों को पार्टी में शामिल कराने के लिए प्रदेश सरकार के तीन चार मंत्री प्रयास कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सपा के विधायक, पार्टी में शामिल होने पर उचित सम्मान और समायोजन चाहते हैं। वहीं बसपा के सांसद लोकसभा चुनाव में टिकट चाहते हैं।

भाजपा को उम्मीद है कि चुनाव में बसपा के एक मात्र विधायक उमाशंकर सिंह का वोट भी पार्टी प्रत्याशी को मिलेगा। राज्यसभा चुनाव में आठ सीटें जीतकर न सिर्फ भाजपा राज्यसभा में मजबूत होगी, बल्कि प्रदेश में विपक्षी दलों के खिलाफ माहौल बनेगा।

वायरस उतर रहा फेफड़ों में, निमोनिया से चार की मौत

कानपुर। मौसम के उतार-चढ़ाव से वायरल संक्रमण तेज हो गया है। वायरल संक्रमित रोगियों के जुकाम, खांसी और बुखार के बाद निमोनिया हो जा रहा है। सांस तंत्र के पुराने रोगियों के संक्रमण होने पर हालत गंभीर हो रही है। इसके साथ ही बच्चों में वायरल डायरिया बढ़ गया है। रविवार को निमोनिया से चार रोगियों की मौत हो गई। चेस्ट हॉस्पिटल की इमरजेंसी में औसत 10 रोगी प्रतिदिन भर्ती हो रहे हैं। अस्पताल का आईसीयू फुल है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सांस रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संजय वर्मा का कहना है कि बदलते मौसम में सांस के रोगियों को दिक्कत बढ़ जा रही है। रोगी अस्पताल में आ रहे हैं। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर राकेश वर्मा ने बताया कि ओपीडी में 433 रोगियों ने जांच कराई। 43 रोगियों ने इमरजेंसी में स्वास्थ्य परीक्षण कराया। 25 रोगियों में हार्ट अटैक की पुष्टि हुई है। रोगियों को भर्ती करके इलाज किया जा रहा है।

इसके अलावा हैलट इमरजेंसी में 32 रोगियों को भर्ती किया गया। इनमें ब्रेन स्ट्रोक के छह रोगी भर्ती हुए हैं। इसके अलावा डायरिया के बाद रोगियों की हालत बिगड़ गई। रोगियों के गुर्दों पर असर आया है। वायरल संक्रमण से निमोनिया की चपेट में आए रोगी कमलेश (49) की कल्याणपुर के निजी अस्पताल में मौत हो गई। इसी तरह फजलगंज के रहने वाले राजकुमार (58) की निमोनिया से मौत हुई।

निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया था लेकिन वहां वेंटिलेटर की जरूरत बताकर हैलट रेफर कर दिया गया था। चौबेपुर के बृजमोहन (50) को वायरल संक्रमण होने के बाद निमोनिया हो गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र से चेस्ट हॉस्पिटल भेजा गया लेकिन मौत हो गई। चकेरी की कमलावती (55) की निमोनिया से लालबंगला के निजी अस्पताल में मौत हुई। परिजनों ने बताया कि जुकाम-खांसी के बाद हालत बिगड़ गई थी।

सपा से इस्तीफा देने वाले सलीम शेरवानी बोले - भाजपा भी हो सकती है मुसलमानों के लिए विकल्प

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व सांसद सलीम शेरवानी का कहना है कि मुसलमान अपने लिए अब विकल्प तलाशने लगे हैं। ये विकल्प कांग्रेस, बसपा या फिर भाजपा में भी मिल सकता है। वह अपने समर्थकों के साथ विचार-विमर्श करके इस बारे में जल्द ही कोई निर्णय लेंगे। यहां उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

सवाल - आपको कब लगा कि सपा पीडीए से अलग जा रही है?

जवाब- मुसलमान सपा के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहा है। राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची में एक भी मुसलमान का न होना इसका सबसे बड़ा सुबूत है कि सपा पीडीए से अलग जा रही है।

सवाल- आपको टिकट नहीं दिया, इसलिए आप खफा हो गए?

जवाब- पिछली बार सपा ने जिन्हें राज्यसभा भेजा, उनमें से एक जावेद अली भी थे। मैं राज्यसभा के लिए टिकट पिछली बार भी मांग रहा था, लेकिन जावेद अली का नाम शामिल होने के बाद कोई विरोध नहीं किया। मैंने जावेद अली को भेजे जाने का स्वागत किया था।

सवाल- मुसलमानों के सामने विकल्प क्या है?

जवाब- इसका ही तो राजनीतिक पार्टियां फायदा उठाती रही हैं कि मुसलमानों के सामने कोई विकल्प नहीं है। अब हमें विकल्प ही बनाना है। इस पर विचार-विमर्श के लिए दिल्ली में एक बैठक की है। मुसलमानों के लिए कांग्रेस, बसपा और यहां तक कि भाजपा भी विकल्प हो सकती है।

सवाल- सपा पर पीडीए की थीम से हटने का आप आरोप लगा रहे हैं। इसके परिणाम क्या होंगे?

जवाब- इसमें कोई शक नहीं है कि सपा के सिर्फ नारे में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक शामिल हैं।

जेठ का बेटा रखता है बेटी पर बुरी नजर, दहशत में हैं जीने को मजबूर

हाथरस। हाथरस कोतवाली सदर क्षेत्र निवासी एक महिला ने जेठ के लड़के द्वारा बेटी पर गलत नीयत रखने का आरोप लगाते हुए कोतवाली सदर में तहरीर दी है। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जयपुर निवासी एक महिला की लगभग बीस साल पहले कोतवाली सदर क्षेत्र के आगरा रोड निवासी युवक के साथ शादी हुई थी। 18 फरवरी को महिला अपने मायके पक्ष के लोगों के साथ कोतवाली सदर पहुंची। जहां उसने पुलिस को तहरीर देते हुए कहा कि उसके जेठ का लड़का उसकी बेटी पर गलत नजर रखता है।

विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट करता है। इससे वह और उसकी बेटी दहशत में जीने को मजबूर हैं। महिला की तहरीर पर कोतवाली सदर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन केंद्रीय मंत्री, पंजाब सीएम मान व किसान नेताओं के बीच चौथे दौर की बैठक जारी

चंडीगढ़। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी व कर्जमाफी समेत 12 मांगों को लेकर दिल्ली कूच पर अड़े पंजाब के किसान संगठन शनिवार को पांचवें दिन भी शंभू और दातासिंह वाला सीमा पर डटे रहे। आज चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच चौथे दौर की बातचीत होगी। यहां पढ़ें किसान आंदोलन से जुड़े सभी अपडेट...

किसान नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों के बीच वार्ता जारी है। किसान एमएसपी गारंटी की मांग पर अड़े हुए हैं।

बैठक शुरू होने से पहले गुरदासपुर के 79 वर्षीय किसान ज्ञान सिंह के निधन पर 2 मिनट का मौन रखा गया। किसान आंदोलन के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई थी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय चंडीगढ़ में बैठक स्थल पर पहुंच गए हैं। वे चल रहे आंदोलन के संबंध में शीघ्र ही किसान नेताओं से मुलाकात करेंगे।

सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट में मीटिंग के लिए केंद्रीय मंत्री भी पहुंच गए हैं।

सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट में मीटिंग के लिए पंजाब के सीएम भगवंत मान पहुंच चुके हैं।

पंजाब के कृषि मंत्री गुरुमीत सिंह भी महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट पहुंचे हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय चंडीगढ़ के एक होटल में पहुंचे, वे चल रहे विरोध के सिलसिले में जल्द ही किसान नेताओं से मुलाकात करेंगे।

किसानों के विरोध पर कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि पिछली बार किसानों को एमएसपी के बारे में आश्वासन दिया गया था, अब वे बेचैन हैं क्योंकि चुनाव आ रहा है और कोई गारंटी नहीं दी गई है और उन पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। बाकी भी चीजें महंगी हो रही है। फसलों के दाम नहीं मिल पा रहे हैं, यही कारण है कि वे विरोध कर रहे हैं...सरकार को इसका समाधान खोजना चाहिए।

केंद्रीय मंत्रियों से चौथे दौर की बैठक के लिए किसान नेता पहुंचे

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर सहित किसान नेता केंद्रीय मंत्रियों के साथ चौथे दौर की बैठक करने के लिए सेक्टर 26 स्थित मगसीपा भवन पहुंच गए हैं। लेकिन पता चला है कि अभी तक तीनों केंद्रीय मंत्री दिल्ली के रवाना नहीं हुए है। इस बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री के हिस्सा लेने की भी संभावना है, जिसके चलते पूरे परिसर में सुरक्षा बढ़ाई गई है। यह बैठक रविवार शाम 6 बजे से बुलाई गई थी।